प्रोग्राम 2020

2. फ्रॉम ईट, प्रे, लव टू सिटी ऑफ़ गर्ल्स
एलिज़ाबेथ गिल्बर्ट संग संवाद एलेग्जेंड्रा प्रिंगल

एलिजाबेथ गिल्बर्ट न्यूयॉर्क टाइम्स की बेस्टसेलिंग किताब *ईट प्रेय लव* और *पिलग्रिम्स* की लेखिका हैं| *पिलग्रिम्स* PEN/हेमिंग्वे पुरस्कार के लिए एक फाइनलिस्ट था| पुश्कार्ट प्राइज विनर और नेशनल मैगज़ीन अवार्ड-नोमिनेटेड पत्रकार, गिल्बर्ट GQ के लिए लिखती हैं| आपके लेक्ज हार्पर'स बाज़ार, स्पेन और द न्यू यॉर्क टाइम्स मैगज़ीन में प्रकाशित होते रहते हैं| सत्र में आप अपनी दोस्त और संपादक अलेक्सेंड्रा प्रिंगल के साथ संवाद करेंगी|

3. बिज्जी: टाइमलेस टेल्स फ्रॉम मारवाड़
विशेष कोठारी और चन्द्र प्रकाश देवल संग संवाद अनुकृति उपाध्याय

राजस्थानी लेखक, कवि और साहित्यकार विजयदान देथा भाट परिवार से थे और आपने साहित्य की मुख्य धारा में लोककथाओं और वाचिक परम्परा में अभूतपूर्व योगदान दिया| इस सत्र में विशेष कोठारी के द्वारा अनूदित किताब *टाइमलेस टेल्स फ्रॉम मारवाड़* से अंश पाठ किया जायेगा| ये विजयदान देथा की *बातां री फुलवारी* का अनुवाद है| पठन और गहन चर्चा के इस सत्र में राजस्थानी लेखक सी देवल, अनुवादक कोठारी और द्विभाषी उपन्यासकार अनुकृति उपाध्याय देथा की समृद्ध विरासत और जादुई बयानगी को साकार करेंगे|

टाइमलेस टेल्स फ्रॉम मारवाड़ का लोकार्पण माननीय श्री अशोक गहलोत जी करेंगे

4. मायथोलोजी फॉर द मिलेनियल
मीनाक्षी रेड्डी माधवन और आनंद नीलकंठन संग संवाद मालश्री लाल

हर पीढ़ी के साथ समयातीत भारतीय मिथ की एक और परत खुलती है| आज जब माइथालोजी पर लिखी किताबें लगातार बेस्टसेलर चार्ट में शीर्ष पर हैं, तो विज्ञापन और राजनीति से लेकर सार्वजनिक और निजी जीवन के हर पहलू में हम प्राचीन महाकाव्यों का उल्लेख पाते हैं। जाने-माने लेखक पीढ़ियों के इस अन्तराल को भरते हुए ये समझने की कोशिश कर रहे हैं कि क्यों मिलेनिअल्स अपने समय को बेहतर समझ पाने के लिए पुराण का सहारा ले रहे हैं| लेखिका और ब्लॉगर मीनाक्षी रेड्डी माधवन ने *फर्स्टपोस्ट* के लिए 'माइथोलॉजी फॉर द मिलेनिअल' स्तम्भ लिखती हैं| आनंद नीलकंठन स्तम्भकार, पटकथा लेखक और लेखक हैं|

आपकी किताब असुर और द राइज ऑफ़ शिवागामी बेस्टसेलर लिस्ट में शामिल है| इनके साथ लेखिका और अकादमिक मालश्री लाल चर्चा करेंगी|

5. इन एक्सट्रीम्स: द लाइफ एंड डेथ ऑफ़ द वॉर कोरेस्पोंडेंट मैरी काल्विन

लिंडसे हिल्सम संग संवाद क्रिस्टीना लैम्ब

लिंडसे हिल्सम ने निर्भीक युद्ध संवाददाता, मैरी काल्विन की जीवनी लिखी है|

जब होम्स, सीरिया में 2012 में कोल्विन एक विस्फोट की चपेट में आई, तो दुनिया ने अपनी सबसे निर्भीक युद्ध संवाददाता को खो दिया था, जिसने अपने जीते-जी कई मुश्किल जगहों से रिपोर्टिंग की थी| उनकी साथी रिपोर्टर, लिंडसे हिल्सम द्वारा लिखी गई *इन एक्सट्रीम्स* में, कोल्विन के जीवन की यात्रा, उनके खोजी अभियान और 13 वर्ष की उम्र से लिखी गई डायरी की प्रविष्टियां शामिल हैं|

कोल्विन ने *द संडे टाइम्स* के लिए काम करना शुरू किया, जहां से उन्हें बहादुरी का ख़िताब और कहानियां कहने का जुनून मिला| श्री लंका में गृह युद्ध की कवरेज करते हुए, उन्होंने अपनी एक आंख गंवा दी थी| आपने अनेकों बार गद्दाफी और अराफात का इंटरव्यू लिया और लगातार चेचन्या, ईस्ट तिमोर, कोसोवो और मिडिल ईस्ट की रिपोर्टिंग करते हुए अपनी जान को खतरे में डाला| कोल्विन ने अपने निजी जीवन में भी खुलकर खतरे उठाये: बिंदास, जटिल, दो बार शादी, बहुत से प्रेमी, समाज की उम्मीदों को धता बताकर| PTSD के बावजूद, आपने रिपोर्टिंग से हार नहीं मानी|

इन एक्सट्रीम्स सत्र में हिल्सम दुनिया की सबसे बहादुर युद्ध संवाददाता के जीवन पर क्रिस्टीना लैम्ब से बात करेंगी|

6. नैन सिंह रावत: व्हेन मेन एंड माउंटेन्स मीट
दीपा अग्रवाल और शेखर पाठक संग संवाद स्टीफन आल्टर

19वीं सदी के महान खोजी पंडित नैन सिंह रावत ने हिमालय की ऊंची चोटियों को नापा| ट्रिगनोमेट्रिक सर्वे ऑफ़ इंडिया में काम करते हुए, आप नेपाल से ल्हासा और फिर तिब्बत तक का सफर पैदल पूरा किया| आपने 1,580 मील या 3,160,000 क़दमों का सफर पूरा किया| लामा के भेस में आपने हिमालय के पार का मिशन पूरा कर, ल्हासा के गुप्त व्यापारिक मार्ग, ब्रह्मपुत्र नदी का स्रोत पता लगाया| युवा पाठकों के लिए 50 किताबें लिख चुकी, दीपा अग्रवाल रावत की वंशज हैं| आपकी नई किताब, *जर्नी टू द फॉरबिडन सिटी*, उस यादगार यात्रा का ब्यौरा है| प्रसिद्ध पर्यावरणविद और कार्यकर्ता शेखर पाठक ने रावत के जीवन पर तीन खंडों में जीवनी लिखी है, जिसका शीर्षक है *एशिया की पीठ पर*| पुरस्कृत लेखक स्टीफन आल्टर से संवाद में इस असाधारण सफर पर चर्चा होगी|

दीपा अग्रवाल की *जर्नी टू द फोर्बिडन सिटी* का लोकार्पण

7. द लाइव्स ऑफ़ लुसियन फ्रायड
विलियम फीवर सत्र परिचय मिरांडा कार्टर

हमेशा खुद तक सीमित रहने वाले, लुसियन फ्रायड ने एक दशक तक, हर सप्ताह अपने विश्वस्त और सहयोगी विलियम फीवर से पेंटिंग, कला और अपनी जिंदगी पर बात की| उसके परिणामस्वरुप ये ख़ास, जीवंत जीवनी बन पाई, जिसमें फ्रायड ने खुद अपने शब्दों में अपनी बात कही है|

फीवर ने इसमें फ्रायड के बचपन को भी जोड़ कमाल कर दिया है: सिग्मंड फ्रायड का पोता, वेइमार बर्लिन में मध्य-वर्ग के यहूदी परिवार में जन्म, 1934 में नाज़ी जर्मनी से बच निकलना, और फिर इंग्लिश पब्लिक स्कूल पहुंचना| फ्रायड का आर्ट स्कूल का अनुभव, युद्ध के दौरान नेवी, फिर पेरिस और ग्रीस में बिताया समय|

मिरांडा कार्टर के संग संवाद में, फीवर एक कलाकार के जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को बयां करेंगे|

8. पंगा:
कंगना रनौत संग संवाद ?

दमदार और मुखर अभिनेत्री कंगना रनौत एक बार फिर से अपनी जबरदस्त फिल्म, *पंगा* के साथ प्रस्तुत हैं| *पंगा* फिल्म भारत के एक राष्ट्रीय स्तर के कबड्डी खिलाड़ी के जीवन से प्रेरित है। कंगना को उनकी अपरंपरागत भूमिकाओं और यथार्थवादी चित्रण के लिए जाना जाता है| XYZ के साथ संवाद में वो अपने कैरियर और स्टीरियोटाइप तोड़ने पर चर्चा करेंगी|

9. थिंकिंग अलाउड: प्रसून जोशी इन कन्वर्जेशन
प्रसून जोशी संग संवाद वाणी त्रिपाठी टिकू

बहुभाषी प्रसून जोशी एक कवि, गीतकार, लेखक, एडवर्टाइजिंग आइकॉन, पटकथा लेखक और केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के अध्यक्ष हैं| एक्टर और थियेटर पर्सन वाणी त्रिपाठी टिकू से बात करते हुए, आप संस्कृति, सिनेमा और समाज के साथ ही अपने पसंदीदा शास्त्रीय संगीत पर भी विचार रखेंगे|

10. अकबर एंड दारा
सुप्रिया गांधी और मणिमुग्धा शर्मा संग संवाद विलियम डेलरिम्पल

अकबर के पास मुग़ल शासन को बदलने की दृष्टी और धर्म-निरपेक्ष शासन स्थापित करने का जज्बा था| 14 साल की उम्र में दिल्ली के सिंहासन पर बैठने के बाद, अकबर दयावान राजा, कुटिल प्रशासक, नेक धर्मनिरपेक्ष और खोजी बने| अकबर की महत्वाकांक्षा बस भारत की दास बनाना ही नहीं, बल्कि यहां का विकास और समृद्धि थी| अकबर मुग़ल सम्राट के सबसे महान राजा बने|

कई मायनों में, अकबर के परपोते, दारा शुकोह को उनका वास्तविक वारिस माना जाता है: दूसरे धर्मों के प्रति उनकी सहनशीलता, उनसे जुड़ी कहानियां उन्हें अकबर के समान बताती हैं| यहां तक कि आज भी, उनकी मौत के 350 साल बाद भी ये बात उठती रहती है: क्या इस 'भले' मुग़ल को अपने बेरहम भाई, औरंगजेब की जगह गद्दी पर बैठना चाहिए था| अगर ऐसा होता तो भारतीय इतिहास का रुख किस तरह बदला होता?

विलियम डेलरिम्पल के साथ चर्चा में, सुप्रिया गांधी और मणि मुग्धा शर्मा इन दो लोकप्रिय मुगलों पर बात करेंगी और बतायेंगी कि क्यों भारत में मुगलों को इतनी नफरत से देखा जाता है? ये भारत मुगलों के हिंदुस्तान से कैसे अलग है? क्या ऐसे भारत में जहाँ हिंदू राष्ट्रवाद उग्र रूप से बढ़ रहा है, वहां अकबर और दारा अप्रसांगिक हो जाते हैं? या अकबर अब पहले से भी अधिक प्रसांगिक है?

11. बैक टू द फ्यूचर: द सीक्रेट्स ऑफ़ यस्टरडे एंड द साइंस ऑफ़ टुडे इज द क्योर फॉर टुमारो
रोबर्ट स्वोबोदा, राम कुमार, हंसाजी जे. योगेन्द्र और गौतम शर्मा संग संवाद माइकल मेनेज़ेस

आधुनिक जीवन की अव्यस्तता हमें अपना भविष्य संवारने के लिए वापस से अतीत में जाने को मजबूर कर रही है| प्राचीन दवाइयों ने हमें जीने का पूर्ण तरीका सिखाया| योग, आयुर्वेद के साथ मिलकर प्राचीन ज्ञान जीने का आधार दे रहा है| योग, तंत्र और आयुर्वेद के प्रमुख विशेषज्ञ तन-मन-आत्मा के संतुलन पर चर्चा करेंगे|

12. बुकएंड्स: द राइटर'स क्राफ्ट
अनोष ईरानी, गेल फाय और यो लिंडल संग संवाद रिया मुखर्जी

विभिन्न संस्कृति और द्वीपों के लेखक अपनी कला और लेखन अभ्यास पर बात करेंगे| लेखक और नाटककार अनोश ईरानी का जन्म और पालन-पोषण बॉम्बे में हुआ और फिर वो वैनकूवर चले गए| आपकी हालिया प्रकाशित किताब *ट्रांसलेटेड फ्रॉम द गिब्रिश: सेवेन स्टोरीज एंड वन हाफ ट्रुथ* भारत और कैनेडा पर आधारित है| फ्रेंच और रवांडा के अभिभावकों की बुरुंडी में पैदा हुए लेखक, गीतकार और हिप-हॉप आर्टिस्ट गेल फाये| रवांडा में बसे, गेल के पहले कामयाब उपन्यास, *स्माल कंट्री* में उन्होंने आंखों देखा इतिहास बयां किया है| जर्मन लेखक और प्रकाशक यो लिंडल और वैज्ञानिक अल्फ्रेड वेगनर भी अपनी कहानी बयां करेंगे| रीया मुखर्जी के साथ चर्चा करते हुए ये वक्ता अपने भूगोल और बदलते इतिहास पर अपना नजरिया रखेंगे|

13. वेनिश्ड हिस्ट्रीज:
रीमा हूजा, मनु एस.पिल्लई और अनाबेल लोयड संग संवाद ?

अतीत की बनावट को संरक्षित करने और स्मृति, कथा और जीवित जीवन की विरासत को संरक्षित करने पर एक चर्चा| साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित मनु पिल्लई की *रेबेल सुल्तान* दक्कन की कहानी कहती है, इसके बाद आई किताब *द आइवरी थ्रोन*, ट्रावन्कोर की अंतिम रानी की जबरदस्त कहानी बयां करती है| *द कोर्टिजन, द महात्मा एंड द इटेलियन ब्राह्मण* भारतीय इतिहास से लिए गए निबन्ध हैं| आर्कियोलोजिस्ट और इतिहासकार रीमा हूजा की किताब है, *महाराणा प्रताप: द इनविंसिबल वारियर*, उनके जीवन पर एक नया ही नजरिया प्रस्तुत करती है| अनाबेल लोयड की किताब *बहावलपुर: द किंगडम दैट वैनिशड*, भुला दिए गए प्रिंसली स्टेट का मनोरम वर्णन है| ये वक्ता साथ में इतिहास, भूगोल और विरासत पर चर्चा करेंगे|

17. नो रेग्रेट्स
स्मृति ज़ुबीन ईरानी और कावेरी बमजई संग संवाद वाणी त्रिपाठी टिकू

स्मृति ज़ुबिन ईरानी वर्तमान में भारतीय मंत्रिमंडल की सबसे युवा मंत्री हैं| आपके पोर्टफोलियो में वस्त्र मंत्रालय, महिला और बाल विकास मंत्रालय इत्यादि शामिल हैं| भूतपूर्व टेलीविजन एक्टर और प्रोडूसर अपनी स्पष्ट बयानी से अपने जीवन, कैरियर और मान्यताओं के बारे में बतायेंगी| कावेरी बमजई अपनी हालिया प्रकाशित किताब *नो रेग्रेट्स: द गिल्ट-फ्री वुमन'स गाइड टू ए गुड लाइफ* से समाज, राजनीति, मातृत्व, नारी शक्ति पर अपने विचार साझा करेंगी| एक्टर, थियेटर पर्सन और केन्द्रीय फिल्म प्रमाणन बोर्ड के सदस्य वाणी त्रिपाठी टिकू सत्र संचालन करेंगी|

18. एडेल
लीला स्लिमानी संग संवाद अवनि दोशी

लीला स्लिमानी फ़्रांस का सबसे प्रसिद्ध साहित्यिक पुरस्कार, प्रिक्स गोनकोर्ट जीतने वाली पहली मोरोक्कन महिला हैं| एक पत्रकार और लगातार महिलाओं के मुद्दे पर बात करने वाली, लीला फ्रेंच के राष्ट्रपति इम्मानुएल मैक्रॉन की निजी प्रतिनिधित्व रह चुकी हैं|

सत्र में, अवनि दोशी के साथ संवाद में आप अपने हालिया प्रकाशित उपन्यास पर करेंगी| *एडेल* की नायिका देखने में तो परफेक्ट लाइफ जी रही है| वो कामयाब पत्रकार है, आलीशान अपार्टमेंट में अपने सर्जन पति के साथ रहती है और उनका एक बेटा भी है| लेकिन इस 'आदर्श जीवन' के नीचे, वो ऊब चुकी है| इस दोहरे जीवन से उकताकर वो 'वन नाईट स्टैंड' और विवाहेत्तर संबंधों की कल्पना करती है, और खुद अपने ही बनाये जाल में फंसती जाती है| एडेल की कामुक और साहसी कहानी पाठक को बांध लेती है, जो एक महिला के स्वच्छंद रहने की ख्वाहिश है|

19. आउट ऑफ़ द गोबी
विजियन शान संग संवाद फ्रैंक डीकोटर

चीन में सांस्कृतिक क्रांति का प्रतिघाती रूप अब हमें डरा रहा है, फिर वो चाहे सामाजिक और राजनैतिक हिंसा, असुरक्षा और पूरी दुनिया में व्याप्त बेचैनी ही क्यों न हो| अपने ताकतवर और निजी ऐतिहासिक संस्मरण में, एशिया के जाने-माने फाइनेंसर विजियन शान गोबी डेजर्ट में काटे अपने दिनों को याद करते हैं| वहां की अमानवीय परिस्थिति, बेतुकी राजनीतिक सचाई और चीन के इतिहास के सबसे बुरे दौर में शान और उनके जैसे दूसरे युवाओं की आपबीती| शान छात्रों के उस समूह में शामिल थे, जिन्हें सांस्कृतिक क्रांति के बाद यूएस-चीन के सोहार्द्र के रूप में यूएस में पढ़ने की अनुमति दी गई थी| सत्र संचालन फ्रैंक डीकोटर करेंगे|

20. दार्जलिंग एक्सप्रेस: ऑफ़ फ़ूड एंड फ्रेंडशिप
अस्मा खान और कृष्णेंदु रे संग संवाद शोनाली खुल्लर श्रॉफ

अस्मा खान नेटफ्लिक्स पर प्रसारित होने वाले शेफ’स टेबल की आइकोनिक शेफ हैं| अपनी किताब *अस्मा’स इंडियन किचन* में अस्मा ने अपनी सफलता के रहस्य के साथ ही वो पारिवारिक रेसेपी बताई हैं, जिनके बारे में कोई प्रोफेशनल शेफ नहीं बताता| उन्होंने अपने प्रवास की कहानी भी बताई और कि कैसे खाना उन्हें वापस घर लेकर आया| आपका मिशलिन अवार्ड से सम्मानित, लंदन का रेस्टोरेंट, दार्जिलिंग एक्सप्रेस, मुग़ल महक और कलकत्ता के स्ट्रीट फ़ूड की याद दिला देता है| कृष्णेंदु रे अकादमिक हैं और न्यू यॉर्क यूनिवर्सिटी में फ़ूड स्टडीज करते हैं| अपनी किताब द एथनिक रेस्तोरेतर में आप फ़ूड इंडस्ट्री में काम करने वाले लोगों के जीवन, अनुभव और यादों की कहानी बयां करते हैं| शोनाली खुल्लर श्राफ के साथ संवाद में इस सत्र में खाने, समुदाय और जिंदगी पर बात होगी|

21. संस्कृत एज ए लिविंग लैंग्वेज
रेचल डायर, ऑस्कर पुजोल और मधुरा गोडबोले संग संवाद मकरंद आर. परांजपे

प्राचीन और मध्यकालीन भारत में ज्ञान, पठन और अनुष्ठानों की प्रमुख भाषा संस्कृत रही है| इसकी समृद्ध परम्परा से अनेकों आधुनिक भारतीय भाषाओँ की उत्पत्ति हुई, और आज भी भारतीय जीवन पर इसका बड़ा प्रभाव देखने को मिलता है| ये आज भी उन जीवित भाषाओँ में शामिल है, जिसे स्कूलों में पढ़ाया जाता है, आल इंडिया रेडियो से प्रसारित किया जाता है, और देश भर में 90 से अधिक पब्लिकेशन इसे छापते हैं| एक ख़ास सत्र में दुनिया के लेखक और विद्वान संस्कृत और आधुनिक जीवन में इसकी भूमिका पर चर्चा करेंगे|

22. रेक्ुइएम: डेज ऑफ़ फ्यूचर पास्ट

केकी दारूवाला, नीलम सरन गौर और अरुणा चक्रवर्ती संग संवाद देवप्रिया रॉय

एक सत्र जिसमें हालिया इतिहास, राजनैतिक और व्यक्तिगत रूप से का मूल्यांकन करने वाले उपन्यास प्रस्तुत होंगे| विख्यात कवि और लेखक केकी दारूवाला अपने नए उपन्यास *स्वर्विंग टू सोलिट्यूड: लेटर्स टू ममा* के माध्यम से हमें इतिहास की भूलभुलैया में ले जायेंगे| एक महिला की आवाज़ में लिखा गया ये उपन्यास, ग़दर आन्दोलन से लेकर वर्ष 1984 में इंदिरा गांधी की हत्या तक की कहानी बयां करता है| स्कोलर, अनुवादक और उपन्यासकार अरुणा चक्रवर्ती हमें अपने उपन्यास *सुरालक्ष्मी विला* के पीछे की कहानी और प्रेरणा के बारे में बतायेंगी| नीलम सरन गौर के उपन्यास *रेक्ुइएम इन राग जानकी* को हिन्दू लिटरेचर प्राइज से सम्मानित किया गया है| ये उपन्यास दरबारी जानकी बाई इलाहबादी का पोर्ट्रेट है| लेखिक देवप्रिया रॉय के साथ संवाद में ये वक्ता अपने काम का सन्दर्भ साझा करेंगे|

23. मंटो एंड आई:
नंदिता दास संग संवाद कावेरी बमजई

मंटो एंड आई उन छवियों और शब्दों की किताब है, जो नंदिता दास की फिल्म मंटो की यात्रा और उपमहाद्वीप के सबसे उग्र और विवादास्पद लेखकों में से एक, सआदत हसन मंटो पर एक आकर्षक बायोपिक है। किताब में उन्होंने फिल्म के साथ बिताए छह साल के अपने रचनात्मक, बल्कि भावनात्मक, सामाजिक-राजनीतिक और आध्यात्मिक अनुभवों को खुलकर साझा किया है। इस किताब के माध्यम से आपको एक कलाकार की निजता को समझने का अवसर प्राप्त होगा| यदि आपने *मंटो* देखी है, तो आपको इसे बनाने के पीछे के 'क्यों' और 'कैसे' का जवाब मिलेगा| अगर आपने फिल्म नहीं देखी है तो इसे पढ़कर आपमें देखने की जिज्ञासा होगी| लेखिका और पत्रकार कावेरी बमजई के साथ चर्चा में नंदिता अपने लेखन और जीवन पर मंटो के असर को साझा करेंगी|

24. द हिडन हिस्ट्री ऑफ़ बर्मा
थांट मिंट-यू संग संवाद सुहासिनी हैदर

अपनी अनुभवी और ज्ञानप्रद नई किताब *द हिडन हिस्ट्री ऑफ़ बर्मा: रेस, कैपिटलिज्म, एंड द क्राइसिस ऑफ़ डेमोक्रेसी इन द 21स्ट सेंचुरी* में इतिहासकार थांट मिंट-यू अपने देश के लोकतंत्र और राजनैतिक महत्वाकांक्षाओं पर सवाल उठाते हैं| किताब पिछले 15 साल के इतिहास पर केन्द्रित है और म्यांमार के उपनिवेशी अतीत, राजनीतिक आइकॉन आंग सान सू की खंडित छवि पर नजर डालते हैं| पत्रकार सुहासिनी हैदर से बात करते हुए मिंट देश के वास्तविक हालातों पर चर्चा करेंगे|

25. विवेकानंद, सावरकर एंड पटेल: इकोज फ्रॉम द पास्ट
मकरंद आर. परांजपे, विक्रम संपत और हिंडोल सेनगुप्ता संग संवाद नारायणी बासु

भारतीय जीवनीकारों की नई लहर 20वीं सदी के भारत को हिलाते हुए, भारतीय कथेतर की एक नई श्रृंखला की शुरुआत की| सत्र में विक्रम संपत, हिंडोल सेन गुप्ता और मकरंद आर. परांजपे

के साथ सत्र में नारायणी बासु के साथ चर्चा करेंगे| तीनों वक्ता वर्तमान हालात - फिर चाहे वो बेहतर हों या बदतर - पर अपना नजरिया रखेंगे|

संपत हिंदूत्व के बौद्धिक स्रोत विनायक दामोदर सावरकर पर बात करेंगे, जो बेशक 20वीं सदी के भारत के सबसे विवादस्पद राजनैतिक चिंतक और नेता हैं| सेनगुप्ता सरदार वल्लभभाई पटेल पर बात करेंगे, जिन्होंने आजादी के संघर्ष को व्यवहारिकता देते हुए, भारत को एकजुट किया| परांजपे महान अध्यात्मिक नेता और समाज सुधारक स्वामी विवेकानंद पर बात करेंगे, जिन्होंने पश्चिम में आधुनिक हिन्दू की इमेज को पुनर्विकसित किया| साथ मिलकर ये वक्ता इन तीन हस्तियों और इनकी विरासत पर बात करेंगे|

26. ट्वाइस अलाइव
फोरेस्ट गांडेर संग संवाद चंद्रहास चौधरी

पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता लेखक फोरेस्ट गांडेर दिल से लिखते हैं और उनकी कविताओं में मानवीय भाव और अंतरंगता प्रमुख होते हैं, जो प्राकृतिक संसार से अभिन्न रूप से जुड़ जाते हैं| खूबसूरत भाषा और भूविज्ञान के ज्ञान के साथ गांडेर इकोपोएटिक्स पर लिखने वाले प्रमुख कवि हैं| इकोपोएटिक्स समकालीन काव्य का नया आन्दोलन है, जो 'मानवीय और गैर-मानवीय जगत के अंतर्संबंधों का अर्थशास्त्र' है| अपनी आने वाली किताब *ट्वाइस अलाइव* में गांडेर पर्यावरण और मानव के बीच इसी रिश्ते की तलाश कर रहे हैं| सत्र सञ्चालन लेखक चंद्रहास चौधरी करेंगे|

27. ऑन सूज़न सोंटेग
बेंजामिन मोसेर संग संवाद चिकी सरकार

सूज़न सोंटेग अमेरिका के महान साहित्यिक सितारों में से एक रहीं| उनका श्रेष्ठ दिमाग, राजनैतिक सक्रियता और जबरदस्त अभिव्यक्ति ने उन्हें 20वीं सदी की दुनिया का आदर्श बना दिया|

राजनीति, नारीवाद और समलैंगिकता, सेलिब्रिटी और स्टाइल, दवाइयां और ड्रग्स, फासीवाद, साम्यवाद और अमेरिकीवाद पर उनका लेखन आधुनिकता की नई परिभाषा गढ़ता है| क्यूबा क्रांति और बर्लिन की दीवार ढहने, अमेरिकी बमबारी के दौरान वियतनाम और युद्ध के समय वो इजराइल में ही मौजूद थीं| सोंटेग ने उन कहानियों को बयां किया और उस जटिलता को दुनिया के सामने रखा|

बेंजामिन मोसेर चिकी सरकार के साथ संवाद में सोंटेग की कहानी बताएंगे|

28. जर्नी ऑफ़ द सोल
शोलेह वोल्पे सत्र परिचय विलियम डेलरिम्पल
ईरान में पैदा हुए कवि शोलेह वोल्पे और भारतीय शास्त्रीय संगीत के मास्टर (musicians name here) आपको सूफी रहस्य अत्तार की *द कांफ्रेंस ऑफ़ द बर्ड्स* के माध्यम से आपको जिंदगी बदल देने वाले काव्यात्मक सफर पर ले जायेंगे|

29. अनीश प्रधान?

32. सोनाली'स बुक क्लब
सोनाली बेंद्रे संग संवाद मेरु गोखले

एक्टर और मॉडल सोनाली बेंद्रे ने अपने जैसी रूचि वाले पाठकों के साथ मिलकर किताब पढ़ने के अपने जुनून को आगे बढ़ाया| आपने 'सोनाली'स बुक क्लब' की स्थापना की, जिससे दुनिया भर के पुस्तक-प्रेमी एक जगह जुड़ सकें| जब आप न्यू यॉर्क में कैंसर से लड़ रही थीं, तब फिल्म इंडस्ट्री के बहुत से दोस्त और पुस्तक-प्रेमी आपसे जुड़े| इस ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर विविध विषयों के पाठकों और लेखकों को एक-दूसरे के सम्पर्क में आने का मौका मिला| बेंद्रे ने *द मॉडर्न गुरुकुल: माय एक्सपेरीमेंटिंग विद पेरेंटिंग* नाम की किताब भी लिखी है| मेरु गोखले के साथ संवाद में, सोनाली अपने प्रेरक सफर के बारे में बतायेंगी और किताबों के उनकी जिंदगी में क्या मायने रहे|

33. द न्यू सिल्क रोड्स: द प्रेजेंट एंड फ्यूचर ऑफ़ द वर्ल्ड
पीटर फ्रैंकोपन संग संवाद ब्रूनो माकेस

पीटर फ्रैंकोपन की *सिल्क रोड* दुनिया के इतिहास का पुनर्मूल्यांकन है, जिसकी दुनियाभर में मिलियन से अधिक प्रतियां बिक चुकी हैं| इसी का दूसरा भाग है, *द न्यू सिल्क रोड*, जो प्राचीन व्यापर मार्ग को एक नए नजरिये से देखता है| दुनिया नाटकीय रूप से बदल रही है और ब्रेक्सिट व ट्रम्प के युग में, पूरी दुनिया अपने में सिमटती जा रही है|

ये समकालीन इतिहास हमें याद दिला रहा है कि हम जिस दुनिया में जी रहे हैं, वो आपस में जुड़ी हुई है| पूर्वी यूरोप, चीन, रूस, मध्य पूर्व से गुजरते इस सिल्क रोड के बारे में पीटर फ्रैंकोपन से चर्चा करेंगे ब्रूनो माकेस| *द न्यू सिल्क रोड*, हमें कहती है कि हम कौन हैं, दुनिया में हम कहां खड़े हैं, और हमारा जीवन किस पर निर्भर है|

34. हेरोइक फेलियर: ब्रेक्सिट एंड द पोलिटिक्स ऑफ़ पेन

फिंटन ओ'टूले संग संवाद सुहासिनी हैदर

ब्रेक्सिट पर एक तीखी, चुटीली और गहरी नजर| एक महान लोकतांत्रिक देश राष्ट्रीय मैसकिज़्म के नाम पर खुद के टुकड़े कर, भयानक खतरे में डाल लेता है| तुच्छ पत्रकारवादी झूठ राष्ट्रीय जुनून से दूर हो गया, और सत्य व ऐतिहासिक तथ्य के प्रति उदासीनता से राजनीतिक अभिजात वर्ग की शैली सामने आई| फिंटन ओ'टूले एक सफल साम्राज्य की असफलता पर भी बात करेंगे| इस नाकामयाबी में नायकत्व नहीं है, ये ब्रेक्सिट के समर्थकों का झूठा दंभ है| आयरलैंड की सबसे प्रतिभाशाली पत्रकार, सुहासिनी हैदर बतायेंगी कि भविष्य में अच्छे संबंधों के लिए इंग्लैंड को किन सुधारों की आवश्यकता है|

35. ए स्टेट एट एनी कॉस्ट: द लाइफ ऑफ़ डेविड बेन-गुरिअन
टॉम सेगेव और अवि श्लेम संग संवाद मैक्स रोडेंबेक

इजरायल के संस्थापक के तौर पर, डेविड बेन- गुरिअन 20वीं सदी की सम्मानजनक हस्ती रहे| बहुत कम उम्र ही आपने एक यहूदी राज्य के निर्माण का सपना पाल लिया था, और ज़िओनिस्ट आन्दोलन का नियंत्रण अपने हाथ में लेकर, इजरायल ने अपनी आज़ादी की घोषणा कर दी और बहुत से युद्धों, विवादों और उल्लेखनीय उपलब्धियों का सामना किया| और यद्यपि बेन-गुरिअन एक रहस्य रहे–उनके अनेक कार्य हमारे लिए पहेली रहे|

इस निर्णायक जीवनी में, इजरायल के प्रमुख पत्रकार-इतिहासकार टॉम सेगेव बहुत से आर्काइव सामग्री के साथ ही कई रहस्यों और अनबूझे सत्यों से भी पर्दा उठाते हैं|

इसके परिणामस्वरूप 'किसी भी कीमत' पर एक राज्य बनाने वाले व्यक्ति पोर्ट्रेट उभरकर आया| उनके दौर का जोखिम, हिंसा और अनिश्चितता, समझौते इत्यादि के बारे में भी पाठकों को पता चलता है| सेगेव के बेन-गुरिअन न तो संत हैं और न ही खलनायक, बल्कि वो एक ऐतिहासिक किरदार हैं| सेगेव से चर्चा करेंगे *इकोनॉमिस्ट* मध्य पूर्व भूतपूर्व संवाददाता मैक्स रोडेनबेक|

36. पोएट्री दरबार

एनी फिंच, अशोक वाजपेयी, चन्द्र प्रकाश देवल, रंजीत होस्कोटे, अभय के. और नवीन किशोर
सत्र संचालन लक्ष्य दत्ता

बहु-भाषी काव्य पाठ की इस श्रृंखला में, बहुत से मूड और मीटर की कविताएं सुनाई जाएँगी| काव्य के इस संसार में कविता के हर रूप का जश्न मनाया जायेगा|

37. क्राइम एंड पनिशमेंट
नीरज कुमार और अश्विन सांघी संग संवाद सुधा सदानंद

नॉइर लिखना समाज को अपने अंधेरे पक्ष को दर्पण के साथ प्रस्तुत करता है। ये शैली सामाजिक, सांस्कृतिक और व्यक्तिगत दोष और न्याय, समानता के साथ अपराधीता पर बात करती है। दिल्ली के पूर्व पुलिस कमिश्नर नीरज कुमार की किताब है, *खाकी फाइल्स: इनसाइड स्टोरीज ऑफ पुलिस मिशन्स* और कामयाब लेखक अश्विन सांघी की नई किताब, *द वोल्ट ऑफ़ विष्णु* चीन, कम्बोडिया, दक्षिण भारत के प्राचीन इतिहास को आपस में गूंथती है| सुधा सदानंद के साथ संवाद में ये वक्ता अपराध, सजा पर बात करेंगे|

2 दिन

38. लाइव ए लिटिल
होवार्ड जैकबसन संग संवाद चंद्रहास चौधरी

पुरस्कृत लेखक और प्रसारणकर्ता, होवार्ड जैकबसन के उपन्यासों में बोलिंगर एव्रीमैन वोडहाउस प्राइज विजेता *द माइटी वाल्ज़ेर*, मैन बुकर प्राइज में लॉन्ग लिस्टेड *कलूकी*, बहुप्रशंसित *द एक्ट ऑफ़ लव*, और वर्ष 2010 का मैन बुकर प्राइज विजेता *द फिन्क्लेर क्वेश्चन* शामिल है|

सत्र में, चंद्रहास चौधरी से चर्चा करते हुए आप अपने जीवन और हाल में प्रकाशित हुए उपन्यास, *लिव ए लिटिल*, पर बात करेंगे| जैकबसन की चुस्त और चुटीली शैली में लिखा गया ये उपन्यास आपको जिन्दगी को अलग नजरिये से देखने पर मजबूर करता है|

39. दिस लैंड इज आवर लैंड: एन इमिग्रेंट’स मेनिफेस्टो
सुकेतु मेहता संग संवाद अनीता आनंद

प्रवासन के अतिरिक्त कुछ और ही ऐसे विषय हैं, जिन पर इतनी चर्चा और विवाद हुए हैं, लेकिन क्या हम वास्तव में प्रवासन के मायने समझते हैं? *दिस लैंड इज आवर लैंड* में, जाने-माने लेखक सुकेतु मेहता इसी मसले पर बात करेंगे| भारत में पैदा हुए, न्यूयॉर्क शहर में पले-बढ़े और दुनिया भर में रिपोर्टिंग कर चुके, मेहता अपने अनुभव से प्रवासन पर विचार साझा करेंगे| वो बताते हैं कि दुनिया को प्रवासी नष्ट नहीं कर रहे हैं, बल्कि प्रवासियों से पनपा भय उसे जरूर नष्ट कर रहा है| मेहता मजदूरों, आया और दूसरे लोगों के साहसिक कार्यों से लेकर ख़ास लोगों की भी बात करते हैं| नागरिक असहमति और जलवायु परिवर्तन इस ग्रह का रूप बदल रहे हैं, और रोज ही देशों की सीमायें संकुचित होती जा रही हैं| मेहता उपनिवेशीकरण और वैश्विक असमानता पर भी चिंता व्यक्त करते हैं: जब आज के अप्रवासियों से पूछा जाता है, ‘आप यहाँ क्यों आये हैं?’ तो वो जवाब दे सकते हैं, ‘हम यहाँ इसलिए हैं क्योंकि आप वहां आये थे|’ सत्र सञ्चालन अनीता आनंद करेंगी|

40. इनक्रेडिबल इंडिया 2.0:
अमिताभ कांत संग संवाद मोहित सत्यानंद
नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत की हालिया प्रकाशित किताब है, *इनक्रेडिबल इंडिया 2.0: सिनर्जी ऑफ ग्रोथ एंड गवर्नेंस* । कांत की पर्यटन उद्योग में गहरी जड़ें हैं और आपने अतुल्य भारत अभियान को गति दी है। मोहित सत्यानंद के साथ संवाद में, आप अपनी किताब और आर्थिक विकासों के विषय में चर्चा करेंगे|

41. डोमिनियन: द मेकिंग ऑफ़ द वेस्टर्न माइंड
टॉम हॉलैंड संग संवाद स्वपन दासगुप्ता

रोम के लोगों का मानना था कि क्रुसिफिकेशन सबसे खराब कल्पना थी। इसे दासों के लिए सबसे सही सजा माना गया था| ये वाकई में आश्चर्य था कि कैसे इतने सारे लोगों ने ये मान लिया था कि सूली पर चढ़ाए गए लोगों में से एक जीसस, स्वयं भगवान था| *डोमिनियन* में इतिहास में गोते लगाकर इसी भयावह सच को सामने लाने की कोशिश की गई है|

पश्चिमी इतिहास में ईसाइयत का उदय ही सबसे बड़ा बदलाव है| आज भी पश्चिम में ऐसे बहुत से लोग रह रहे हैं, जिन्होंने अपना धर्म छोड़ दिया| 480 ईसापूर्व ग्रीस में फारसी के हमले से लेकर आज के इतिहास पर पुरस्कृत इतिहासकार टॉम होलैंड के साथ स्वपन दासगुप्ता चर्चा करेंगे|

42. शी मर्चेंट बकनीर्स एंड जेंटलवीमेन: ब्रिटिश वीमेन इन इंडिया
केटी हिकमैन संग संवाद बी रोलेट

भारत में 17वीं सदी में सबसे पहले कदम रखने वाली पहली ब्रिटिश महिलाएं, ब्रिटिश राज से ढाई सदी पहले आई थीं| महिलाएं भी उन्हीं वजहों से भारत आई थीं, जिन वजहों से पुरुष आये थे - बेहतर जीवन की तलाश में| शुरुआती दिनों में, भारत ऐसी जगह था, जहां महिलाओं के विकास के बेहतर अवसर मौजूद थे| वो बेकर्स, ड्रेस मेकर्स, एक्ट्रेस, पेंटर, मेड्स, दुकानदार, डॉक्टर्स, टीचर, मिशनरी इत्यादि के साथ व्यापारी भी थीं|

भारत में ब्रिटिश के इतिहास में इन महिलाओं की कहानी दबकर रह गई| 'मेमसाहिब' जो कभी एक सम्मानजनक संबोधन था, वो अब व्यंगात्मक शब्द बनकर रह गया है| और ये सच है: कि बहुत सी पूर्वधारणाओं की वजह से भारत में ब्रिटिशों के बहुत से पहलु किसी की नज़र में नहीं आये| लेकिन ये इकलौता मामला नहीं था|

इस प्रमुख सत्र में, नामी इतिहासकार कैटी हिकमैन, मनु एस. पिल्लई के साथ संवाद में भारतीय इतिहास में छिपी इन्हीं कहानियों को हमारे सामने लायेंगी|

43. ओल्ड नाईट, न्यू डौन: रीलुकिंग स्पेक्युलेटिव फिक्शन एंड फ़िक्टिव रेअलिटिज
विनीत बाजपाई और राकेश कॉल संग संवाद निष्ठा गौतम

काले आतंक और नए समझ के बीच की इस दुनिया में, उल्लेखनीय फिक्शन हमें सांत्वना और प्रेरणा देता है| राकेश कॉल का हाल में प्रकाशित उपन्यास, *डौन, द वारियर प्रिंसेस ऑफ़ कश्मीर,* 3000 ईसवी की कहानी कहता है| जहाँ सब भविष्य के एक हथियार से लड़ने की तैयारी करते हैं, और कश्मीर की राजकुमारी अपनी दैवीय शक्तियों के साथ मानव प्रजाति की रक्षा करती है| लेखक और उद्यमी विनीत बाजपेयी की सफल सीरिज *हड़प्पा* ट्रिलोजी इतिहास, मिथक और कल्पना की रेखा को मिटा देती है| निष्ठा गौतम के साथ संवाद में, ये दोनों

लेखक बताएँगे कि कैसे इन्होने अतीत और भविष्य में गोता लगाते हुए ये जबरदस्त लेखन किया|

44. शुभा मुद्गल: लुकिंग फॉर मिस सरगम
शुभा मुद्गल संग संवाद सुधा सदानंद

एक जादुई सत्र में जब संगीत शब्दों के माध्यम से जीवन बन जायेगा, शुभा मुद्गल अपने कहानी संग्रह, *लुकिंग फॉर मिस सरगम* से अंश पाठ करेंगी| आपकी किताब भारतीय शास्त्रीय संगीत पर आधारित है| संपादक सुधा सदानंद से चर्चा में शुभा अपनी कहानियों के माध्यम से संगीत की पहेलियां सुलझाएंगी|

45. ऑन मेमॉयर
निकोलस कोलेरिज, एसने सेइएर्स्तद, अवि श्लेम, लेम सिसे और मधुर जाफरी संग संवाद चिकी सरकार

आप खुद को और अपने करीबी लोगों को एक कहानी में कैसे उतारेंगे? संस्मरण आत्मकथात्मक उपन्यास से कैसे भिन्न होते हैं? इस विधा के माहिर निकोलस कोलेरिज, एसने सेइएर्स्तद, अवि श्लेम, लेम सिसे और मधुर जाफरी इस मुश्किल सफर पर चिकी सरकार के साथ चर्चा करेंगे|

46. वीमेन एंड वर्क
अनुराधा भगवती, अस्मा खान, अमिता निगम सहाय और नमिता वाईकर संग संवाद नमिता भंडारे

एक महिला का काम कभी खत्म नहीं होता| कार्यक्षेत्र में भारतीय महिलाओं की भागीदारी निरंतर कम हो रही है, जबकि पूरे विश्व में ये संख्या बढ़ रही है| महिलाओं और काम पर, तथ्यात्मक नजरिये, वर्तमान वास्तविकताएं, और आर्थिक दृष्टिकोण को सामने लाने की कोशिश होगी| सत्र में भिन्न पृष्ठभूमि से आई महिलाएं आपना अनुभव रखेंगी| वक्ताओं में आइकोनिक शेफ, एक्स-मरीन, सामाजिक उद्यमी और ग्रामीण कार्यकर्त्ता पत्रकार नमिता भंडारी से चर्चा करेंगी|

47. एक ज़मीन अपनी: राइटिंग द फेमिनिन
चित्रा मुद्गल और अनामिका संग संवाद निष्ठा गौतम

हिंदी की दो लोकप्रिय और प्रेरक लेखिकाएं लेखन की कला और महिलाओं की आवाज़ पर बात करेंगी| चित्रा मुद्गल अदिवितीय लेखिका हैं, जिनकी 30 से अधिक किताबें प्रकाशित हो चुकी हैं| आपकी हालिया प्रकाशित किताब है *चिन्न्मस्ता नहीं मैं*| अनामिका ने कई पुरस्कृत काव्य-संकलन और उपन्यास लिखे हैं, जिनमें बागी भक्त कवियों पर लिखी *आईना साज़* भी

शामिल है| *द क्विंट* की ओपिनियन एडिटर निष्ठा गौतम से संवाद करते हुए ये लेखिकाएँ अपने अनुभव साझा करेंगी|

48. नॉट आई: लीसा डवान माउथ ऑफ
लीसा डवान सत्र परिचय पॉल मुल्डून

प्रसिद्ध आयरिश अदाकारा, प्रोडूसर और डायरेक्टर लीसा डवान ने तीन नाटक प्रोड्यूस किये: *नॉट आई, फुटफाल्स* और *रॉकेबी* और *टेक्स्ट फॉर नथिंग* का सह-निर्देशन किया| वर्ष 2016 में, डवान ने *नो'स नाइफ* में अभिनय किया| इन एकालापों के माध्यम से आपने लैंगिकता, पहचान और मानवीय हालातों पर आवाज उठाई| सत्र परिचय पॉल मुल्डून करेंगे|

49. एके रामानुजन: ए पोएट'स डायरी
गिलेर्मो रोड्रिग्ज और कृष्णा रामानुजन संग संवाद रंजीत होस्कोटे

विख्यात कवि, अनुवादक, स्कोलर और लोक कथाओं के अध्येता एके रामानुजन ने दुनियाभर में भारतीय साहित्य की प्रभावशाली छाप छोड़ी| वर्ष 1993 में उनकी असमय मौत के बाद, रामानुजन के निजी जर्नल, डायरियों और नोट्स को *एकेआर पेपर्स* के रूप में शिकागो यूनिवर्सिटी ने संभाले रखा, जब तक कि उनके पुत्र कृष्णा रामानुजन और गिलेर्मो रोड्रिग्ज ने उनका संपादन नहीं किया| *जर्निज: ए पोएट'स डायरी* हमें कवि स्कोलर के विजन और काम के केंद्र में ले जाती है| कृष्णा रामानुजन कोर्नेल यूनिवर्सिटी में विज्ञान लेखक हैं| गिलेर्मो रोड्रिग्ज कासा दे ला इंडिया के संस्थापक निदेशक और *वेन मिरर्स आर विंडोज: ए व्यू ऑफ़ ए.के. रामानुजन'स पोएटिक* के लेखक हैं| कवि और क्यूरेटर रंजित होस्कोटे के साथ संवाद में ये वक्ता रामानुजन के कार्य पर प्रकाश डालेंगे|

50. जयपुर जर्नल्स: द राइटिंग लाइफ
नमिता गोखले संग संवाद शशि थरूर और जावेद अख्तर

लेखिका और फेस्टिवल डायरेक्टर नमिता गोखले अपने नए उपन्यास जयपुर जर्नल्स का लोकार्पण करेंगी| रंगीले जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल की पृष्ठभूमि में लिखा गया यह उपन्यास एक रूप में 'धरती के सबसे बड़े साहित्यिक शो' को लिखा गया प्रेम-पत्र है, तो दूसरे रूप में ये उन लाखों महत्वाकांक्षी लेखकों के नाम है, जो अपनी अप्रकाशित रचनाओं को झोले में लिए घूमते हैं| ये उन तन्हा लेखकों के नाम एक समर्पण है| लेखक व राजनयिक शशि थरूर और कवि व गीतकार जावेद अख्तर से चर्चा करते हुए वो अपने उपन्यास की पृष्ठभूमि और अपने दोहरे व्यक्तित्व पर बात करेंगी|

51. एशिया राइजिंग
ब्रूनो मार्केस, शिवशंकर मेनन और दीपक नय्यर संग संवाद सुहासिनी हैदर

अंतर्राष्ट्रीय भूराजनीति के केंद्र एशिया पर एक सत्र का आयोजन किया गया है, जिसमें विशेषज्ञ हालात का मुआयना करेंगे| ब्रूनो मार्केस की हालिया प्रकाशित किताब द *डौन ऑफ़ यूरेशिया: ऑन द ट्रेल ऑफ़ ए न्यू वर्ल्ड ऑर्डर*, में यूरोप और एशिया के संबंधों पर नजर डाली गई है| शिवशंकर मेनन की नई किताब, *पास्ट प्रेजेंट: इंडिया इन एशियन जिओपॉलिटिक्स*, एशियाई कहानी को नए नजरिये से देखती है| दीपक नय्यर की किताब *रीसर्जेंट एशिया* पिछले 50 वर्षों के आर्थिक विकास को देखती है| पत्रकार सुहासिनी हैदर के साथ संवाद में ये वक्ता नई दुनिया में एशिया की स्थिति पर बात करेंगे|

52. बींग वेरियस: ऑन लिटरेरी डाइवर्सिटी
सनी सिंह, रोआना गोंसाल्वेस, हंसदा सोवेन्द्र शेखर और एनी ज़ैदी संग संवाद उर्वशी बुटालिया

रचनात्मकता और लचीलेपन के लिए विविधता प्रेरणा और नींव है| इस सत्र में भिन्न संस्कृति और पृष्ठभूमि से आए वक्ता इसी 'भिन्नता' पर बात करेंगे| लंदन में रहने वाले लेखक सन्नी सिंह झलक प्राइज के संस्थापक हैं| भारत में जन्मे ऑस्ट्रलियाई लेखिका रोआना गोंसाल्वेस बहु-सांस्कृतिक कल्पना पर लिखती हैं| हंसदा सोवेन्द्र शेखर जेसीबी प्राइज में शोर्टलिस्ट हुई किताब *माय फादर'स गार्डन, द आदिवासी विल नॉट डांस* और *द मिस्टीरियस ऐल्मेंट ऑफ़ रूपी बास्की* के लेखक हैं| लेखिका एनी ज़ैदी की *ब्रेड, सीमेंट, कैक्टस* ने प्रतिष्ठित नाइन डॉट्स प्राइज जीता था| काली फॉर वीमेन और ज़ुबान की सह-संस्थापक उर्वशी बुटालिया के साथ संवाद में वक्ता साहित्यिक भिन्नता पर अपने विचार रखेंगे|

53. फ्लड एंड फरी
जयराम रमेश, वीजू बी और कृपा गे संग संवाद मार्कस मोएंच

पिछले दशक में बाढ़ ने भारतीय भूभाग को बहुत नुकसान पहुंचाया है| मुंबई, सूरत, श्रीनगर, चेन्नई, पटना और केरल के कई शहरों को बाढ़ और नाले के पानी ने निगल लिया| ये कोई इक्का-दुक्का घटना नहीं बल्कि पर्यावरण विनाश का संकेत हैं| जयराम रमेश एक अर्थशास्त्री, पर्यावरणविद, राजनेता और लेखक हैं| वीजू बी की किताब *फ्लड एंड फरी: इकोलॉजिकल डिवास्टेशन इन द वेस्टर्न घाट* पश्चिमी घाट के पर्यावरणीय संकटों के कारण खोजती है| कृपा गे की *रिवर्स रिमेम्बर: #चेन्नईरेन्स एंड द शॉकिंग ट्रुथ ऑफ़ ए मैनमेड फ्लड* वर्ष 2015 में चेन्नई में बाढ़ से आई तबाही की बात करती है| ऊर्जा और जल विशेषज्ञ मार्कस मोएंच से संवाद में ये वक्ता बाढ़ के कारणों और समाधान पर बात करेंगे|

54. गांधी इन आवर टाइम्स

तलत अहमद, मकरंद आर.परांजपे और रमेश शर्मा संग संवाद रुचिरा गुप्ता

मोहनदास करमचंद गांधी की नियति अपने समय की राजनैतिक चेतना और आवाज़ बनने की थी| उनके जन्म की 150वीं वर्षगांठ के अवसर पर, आयोजित इस सत्र में उनकी उस विरासत पर बात होगी, जो समय के साथ आज भी प्रासंगिक है| सत्र में तलत अहमद और मकरंद आर. परांजपे जैसे लेखकों और स्कोलर के साथ ही फिल्ममेकर रमेश शर्मा, और महिला व मानवाधिकार कार्यकर्त्ता रुचिरा गुप्ता गांधी की मान्यताओं पर चर्चा करेंगे|

55. बोटल ऑफ़ लाइज: द इनसाइड स्टोरी ऑफ़ द जेनेरिक ड्रग बूम
कैथरीन एबन संग संवाद जेफ्री गेटेलमैन

कई लोगों ने जेनेरिक दवाओं के व्यापक उपयोग को 21वीं सदी के सबसे महत्वपूर्ण सार्वजनिक-स्वास्थ्य विकास में से एक माना है। आज, हमारे दवाई उद्योग में 90 प्रतिशत कब्जा जेनेरिक दवाओं का है, जिनका उत्पादन विदेशों में किया जाता है|हमारे डॉक्टर, औषधि वाले और शुभचिंतक अक्सर हमें भरोसा दिलाते हैं कि ये जेनेरिक दवाएं अपने प्रतिद्वंदी ब्रांड के जैसी ही हैं, बस उनसे सस्ती हैं| लेकिन क्या वास्तव में ये सच है?

पुरस्कृत पत्रकार कैथरीन एबन की किताब *बोटल ऑफ़ लाइज* जेनेरिक दवाओं के उत्पादन और उनसे जुड़े वैश्विक स्वास्थ्य के जोखिम से पर्दा उठाती है| एबन ने इस इंडस्ट्री के की गहन शोध की है, बहुत से गोपनीय डाक्यूमेंट्स पढ़े हैं और नियम व् शर्तों से भी रूबरू हुई हैं|

एक दशक लम्बी इस जांच के साथ ऊंचा जोखिम और बड़ी रकम दांव पर लगी है| सत्र सञ्चालन पुलित्ज़र पुरस्कार विजेता पत्रकार जेफ्री गेटलमैन करेंगे|

58. स्वान्ज़ी यूनिवर्सिटी डिलन थॉमस प्राइज: सेलीब्रेटिंग 15 इयर्स एंड 2020 लॉन्गलिस्ट अनाउंसमेंट
एलेन कनिंग, नमिता गोखले, गाए गुनारत्ने और रेचल ट्रेज़िस

द स्वान्ज़ी यूनिवर्सिटी डिलन थॉमस प्राइज युवा लेखकों, साहित्यकारों के लिए दुनिया का सबसे बड़ा पुरस्कार है| ये अवार्ड दुनिया में कहीं भी प्रकाशित हुए, अंग्रेजी भाषा में लिखे बेस्ट फिक्शन, पोएट्री को दिया जाता है| इसके लिए लेखक की उम्र 39 वर्ष या उससे कम होनी चाहिए| वर्ष 2006 में स्थापित हुआ ये पुरस्कार अपना 15वां वर्ष मना रहा है| सत्र चर्चा में सबसे पहली विजेता रेचल ट्रेजिस और हालिया विजेता गाए गुनारात्ने के साथ फेस्टिवल डायरेक्टर और जूरी सदस्य नमिता गोखले और प्राइज की एग्जीक्यूटिव ऑफिसर एलेन कनिंग शामिल होंगे| सत्र के दौरान ही वर्ष 2020 के लिए लॉन्गलिस्ट की घोषणा होगी|

59. कोलाज टू द बोन
लीज़ा रे संग संवाद संजॉय के. रॉय

लीज़ा रे भारत की सुपरमॉडल, अदाकारा, सेरोगेसी से जुड़वाँ बच्चों की मां बनी और कैंसर-विजेता हैं| अपने संस्मरण में आपने जीवन की असाधारण यात्रा, मार्गदर्शक, दोस्तों, प्रेमी, उपचार और अध्यात्मिक खोज के बारे में लिखा है| जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के प्रोडूसर संजॉय के.रॉय के साथ संवाद करते हुए लीज़ा अपने सफर को साझा करेंगी|

60. विनर्स टेक आल: द एलिट शरेड ऑफ़ चेंजिंग द वर्ल्ड
आनंद गिरिधरदास संग संवाद एसने सिएर्स्तद

राजनैतिक दार्शनिक और उपदेशक आनंद गिरिधरदास अपनी नई किताब *विनर्स टेक आल* में विशेषाधिकार युक्त वर्ग की बात करते हैं| ये 'दुनिया बदलने' के विशेष वर्ग के प्रयासों की खोज करते हैं| सत्र सञ्चालन एसने सिएर्स्तद करेंगी|

61. द एनाटोमी ऑफ़ द लव स्टोरी
रविन्द्र सिंह और शोनाली खुल्लर श्रॉफ संग संवाद दिविया थानी

सेलिब्रेटी लेखक दोस्ती, रिश्तों और मानवीय रिश्तों के बीच प्यार की बात करेंगे| लेखक और उद्यमी रविन्द्र सिंह लिखने से पहले इनफ़ोसिस और माइक्रोसॉफ्ट में काम करते थे| आपका नया उपन्यास है, *द बिलेटेड बेचलर पार्टी*, रोमांस से परे दोस्ती के लम्हे जीता है| शोनाली खुल्लर श्राफ का नया उपन्यास *लव इन द टाइम ऑफ़ अफ़्लुएन्ज़ा* तेज-तर्रार और चुटीला है| दिविया थानी के साथ संवाद में ये दोनों लेखक आज के समय में प्यार की कहानी की जरूरतों पर चर्चा करेंगे|

62. हाउ टू जज ए बुक?
केआर मीरा, प्रदीप कृष्ण और पार्वती शर्मा संग संवाद

साहित्य के लिए दिए जाने वाले जेसीबी प्राइज की स्थापना वर्ष 2018 में हुई, और जल्द ही ये साहित्य के प्रतिष्ठित सम्मानों में शामिल हो गया है| इस दिलचस्प सत्र में, वर्ष 2019 की जेसीबी जूरी शामिल होगी, जिनमें से दो विख्यात लेखक हैं और एक भारत के जाने-माने पर्यावरणविद|

साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित नारीवादी मलयालम लेखिका और पत्रकार केआर मीरा के उपन्यास *आराचार* को वर्ष 2013 ओदाक्कुज्हल से सम्मानित किया गया और ये किताब मलयालम में बेस्टसेलिंग रही| प्रदीप कृष्ण प्रकृतिवादी, पर्यावरणविद और लेखक-फोटोग्राफर हैं| आपकी किताब है *ट्रीज ऑफ़ दिल्ली: ए फील्ड गाइड*| पत्रकार, संपादक और लेखिका पार्वती शर्मा की हालिया प्रकाशित जीवनी है *जहांगीर: एन इंटिमेट पोर्ट्रेट ऑफ़ ए ग्रेट मुग़ल*|

63. यू विल बी सेफ हियर
डेमियन बर्र और अनुराधा भगवती संग संवाद विवेक तेजुजा

डेमियन बर्र और अनुराधा भगवती चर्चा करेंगे कि कैसे उनकी LGBT लैंगिकता ने उनके जीवन और लेखन को प्रभावित किया| सत्र सञ्चालन विवेक तेजुजा करेंगे|

64. राजस्थानी बिन्या क्यारो राजस्थान!
चन्द्र प्रकाश देवल, राजू राम बिजर्निया, ऋतूप्रिय और मधु आचार्य संग संवाद विशेष कोठारी

राजस्थानी साहित्य अकादेमी पुरस्कार विजेता स्टेट की समृद्ध भाषिक परम्परा को बयां करते रहे हैं| अपने विशेष वाक्य-विन्यास और बोलियों की विविधता से मुखर राजस्थानी भाषा, अभी भी भारतीय भाषाओँ में औपचारिक पहचान का इंतजार कर रही है| राजस्थान के आइकोनिक कवि **चन्द्र प्रकाश देवल**, राजस्थानी भाषा के प्रमुख कवि राजू राम बिजर्निया, जाने-माने लेखक ऋतूप्रिय और **मधु आचार्य** राज्य की संपन्न विरासत और भाषिक परम्परा पर चर्चा सत्र "राजस्थानी बिन्या क्यारो राजस्थान" में करेंगे| प्रसिद्ध लेखक **विशेष कोठारी** से संवाद करते हुए, पैनल राजस्थानी साहित्य के विभिन्न फलक पर चर्चा करेगा|

65. शशि ऑन शशि
शशि थरूर संग संवाद माइकल डायर

लेखक, राजनीतिक और बौद्धिक शशि थरूर ने पुरस्कृत 19 किताबें लिखी हैं| संसद सदस्य के तौर पर डॉ. थरूर भारत सरकार में तिरुवनंतपुरम का प्रतिनिधित्व करते हैं| उनका हास्य-बोध गंभीर विषयों को हल्का बना देता है| उनके विशेष शब्दों और टर्म को #थरूरिज्म कहा जाता है| माइकल डायर के साथ संवाद में, डॉ. थरूर अपने विचार साझा करेंगे|

66. क्लाइंट अर्थ
जयराम रमेश, मार्टिन गुडमैन और डेविड वेल्स संग संवाद जेफ्री गेटलमैन *(TBC)*

क्लाइंटअर्थ नाम की तरह ही, अब ये धरती एक क्लाइंट है, जिसे पर्यावरणीय नजरिये से तुरंत संवारे जाने की जरूरत है| भावुक और उद्देश्यपूर्ण वकीलों के गढ़ की तुलना में, क्रांतिकारी गैर-लाभकारी संगठन ने पृथ्वी का प्रतिनिधित्व करने और अपने हितों की वकालत करने की

मांग की है। मार्टिन गुडमैन ने अपनी हालिया प्रकाशित किताब में, पर्यावरण में आ रहे बदलावों, और उसके लिए कुछ संशोधनों का सुझाव दिया है| विख्यात लेखकों और पर्यावरणविदों वाले इस सत्र में भूमि के प्रति हमारी जिम्मेदारी पर बात होगी| मार्टिन गुडमैन ने अपने पति जेम्स थोर्नटन के साथ मिलकर *क्लाइंट अर्थ* लिखी है| राजनेता, अर्थशास्त्री और पर्यावरणविद जयराम रमेश की किताब है *ग्रीन सिग्नल्स*| अमेरिकी पत्रकार डेविड वेल्स अक्सर जलवायु पर लिखते हैं, और उनकी किताब *द अनइनहैबिटेबल अर्थ* है| जेफ्री गेटलमैन पुलित्ज़र पुरस्कार प्राप्त पत्रकार हैं|

67. शिकारा: विधु विनोद चोपड़ा

फिल्म निर्देशक, पटकथा लेखक और निर्माता विधु विनोद चोपड़ा कश्मीर की खूबसूरत घाटी पर बनी अपनी आगामी फिल्म *शिकारा* पर बात करेंगे। कश्मीर के लिए एक प्रेम पत्र के रूप में वर्णित, यह फिल्म 1990 के दशक में कश्मीरी पंडितों के पलायन की सच्ची कहानी है। आज के समय की उथल-पुथल में ये फिल्म बिलकुल प्रासंगिक है। इस फिल्म के साथ, चोपड़ा निर्देशन में 12 वर्षों के बाद वापसी कर रहे हैं| इस महत्वपूर्ण विषय पर बनी यह पहली फिल्म है।

68. पेरलल लाइव्स: कृष्ण मेनन एंड जेबीएस हाल्डेन
जयराम रमेश और सामंथ सुब्रमनियन संग संवाद पल्लवी राघवन

तीन जीवनीकारों ने भारतीय कथेतर के स्वरुप को बदल दिया| अर्थशास्त्री, लेखक और राजनेता जयराम रमेश की किताब एक *चेकर्ड ब्रिलियंस: द मैनी लाइव ऑफ़ वीके कृष्ण मेनन,* भारत की सबसे विवादित हस्ती पर लिखी जबरदस्त जीवनी है| पुरस्कृत पत्रकार सामंथ सुब्रमनियन की किताब *ए डोमिनेंट करेक्टर: द रेडिकल साइंस एंड रेस्टलेस पॉलिटिक्स ऑफ़ जेबीएस हाल्डेन*, हमारे समय का आंकलन है| अशोका यूनिवर्सिटी के असिस्टेंट प्रोफेसर, पल्लवी राघवन सत्र संचालन करेंगी|

सत्र के बाद जयराम रमेश की किताब *चेकर्ड ब्रिलियंस: द मैनी लाइव ऑफ़ वीके कृष्ण मेनन* का लोकार्पण होगा|

69. द चाइल्ड विदइन
देवांगना दास, दीपा अग्रवाल, हंसदा सोवेन्द्र शेखर और पार्वती शर्मा संग संवाद मीनाक्षी रेड्डी माधवन

बच्चों के लिए लिखने में बहुत समझ-बूझ की जरूरत होती है| बच्चों के लिए लिखने वाले भिन्न विधाओं के लेखक लेखन-प्रक्रिया के बारे में बताएंगे| लेखिका, कवि और अनुवादक दीपा अग्रवाल तकरीबन 50 किताबें लिख चुकी हैं, जिनमें से ज्यादातर बच्चों के लिए हैं| जाने-माने उपन्यासकार हंसदा सोवेन्द्र शेखर की हालिया प्रकाशित किताब है *ज्वाला कुमार एंड द गिफ्ट ऑफ़ फायर: एडवेंचर इन चम्पकबाग़*| इतिहासकार और जीवनीकार पार्वती शर्मा की किताब *रट्टू*

एंड पूरी'स एडवेंचर इन हिस्ट्री: 1857, में टाइम ट्रेवल की साहसिक यात्रा है| लेखिका और चित्रकार देवांगना दास ने *द जंगल रेडियो: बर्ड सोंग्स ऑफ़ इंडिया* में संरक्षण और पर्यावरण की कहानी कही है| सत्र का सञ्चालन लेखिका और उपन्यासकार मीनाक्षी रेड्डी माधवन करेंगी|

70. ग्राफिक नॉवेल्स : द पावर एंड पॉलिटिक्स ऑफ़ रिप्रेजेंटेशन:
रुचिरा गुप्ता और शोलेह वोल्पे संग संवाद वाणी त्रिपाठी टिकू

रेज़िंग वीमेन'स वॉइसेस आयोजन द नॉर्थ इंडिया ऑफिस, यू.एस. एम्बेसी

72. नव-ए-सरोश: संजीव सराफ

74. बिग टेक, सर्विलेंस कैपिटलिज्म, डाटा हार्वेस्टिंग एंड द साइबर फ्यूचर:
मार्कस दू सौतॉय, जॉन लंचेस्टर और जसप्रीत बिंद्रा संग संवाद आकाश कपूर

19वीं सदी के हमारे पूर्वजों के लिए विज्ञान का मतलब तरक्की और उम्मीद था| आज, हम इस विषय में सुनिश्चित नहीं हैं| जब गूगल और फेसबुक हमारा डाटा खंगाल रहे हैं, हमारी बातें सुनी जा रही हैं, हमारी नौकरी रोबोट्स को जा रही हैं, ऐसे में विज्ञान हमें हमारी समस्या का समाधान नहीं लग रहा है| इस सत्र में वैज्ञानिक और गणितज्ञ मार्कस दू सौतॉय, उपन्यासकार जॉन लंचेस्टर और लेखक जसप्रीत बिंद्रा साइबर फ्यूचर पर चर्चा करेंगे|

75. द लाइव्स ऑफ़ वीमेन
बेटनी हगेस, जुंग चांग, बेंजामिन मोसेर, लिंडसे हिल्सम और हैली रुबेनहोल्ड संग संवाद अनीता आनंद

लेखन में कोई महिलाओं की ज़िंदगी को कैसे दर्ज कर सकता है? एक महिला की जीवनी आदमी को जीवनी से कैसे भिन्न है? जीवनीकार बेटनी हगेस, बेंजामिन मोसेर, जुंग चांग, लिंडसे हिलस्म और हैली रुबेनहोल्ड महिलाओं की ज़िंदगी को पेपर पर उतारने की चुनौतियों पर अनीता आनंद के साथ चर्चा करेंगे|

76. वर्ड, इमेज, साउंड
शोभा डे, अमित खन्ना, जावेद अख्तर संग संवाद कावेरी बमजई

निदेशक, निर्माता, गीतकार और रिलायंस एंटरटेनमेंट के पूर्व अध्यक्ष अमित खन्ना भारतीय मनोरंजन उद्योग के विकास का हिस्सा रहे हैं, और कई दशकों तक उत्साह, उथल-पुथल और विकास देखा। उनकी हालिया किताब है, *वर्ड्स, साउंड्स, इमेजेस: ए हिस्ट्री ऑफ़ मीडिया एंड एंटरटेनमेंट इन इंडिया,* इस विषय को विस्तार से कवर करती है| खन्ना लेखिका, स्तंभकार और फिल्म व मनोरंजन पत्रिकाओं की प्रमुख संपादक, शोभा डे और जावेद अख्तर के साथ चर्चा करेंगे।

77. इकिगई: द जैपनीज सीक्रेट टू ए लॉन्ग एंड हैप्पी लाइफ
फ्रांसेक मिरल्स संग संवाद नीलांजना एस. रॉय

जापान के लोगों का मानना है कि हरेक व्यक्ति के पास एक 'इकिगई' या 'सुबह बिस्तर से उठने का कोई कारण' होता है| हेक्टर गार्सिया और फ्रांसेक मिरल्स की इंटरनेशनल बेस्टसेलर खुशहाल और लम्बे जीवन का राज बताती है| लेखिका और स्तंभकार नीलांजना एस. रॉय के साथ संवाद में फ्रांसेक मिरल्स इकिगई के सबक श्रोताओं के साथ साझा करेंगे|

78. पोएट्री दरबार
मकरंद आर.परांजपे, क्रिस एगी, अफरा अतीक और माधव कौशिक सत्र सञ्चालन लक्ष्य दत्ता

बहु-भाषी काव्य पाठ की इस श्रृंखला में, बहुत से मूड और मीटर की कविताएं सुनाई जाएँगी| काव्य के इस संसार में कविता के हर रूप का जश्न मनाया जायेगा|

79. वाइल्ड हिमालय
स्टीफन आल्टर संग संवाद सुजीव शाक्य

स्टीफन आल्टर की *वाइल्ड हिमालय: ए नेचुरल हिस्ट्री ऑफ़ द ग्रेटेस्ट माउंटेन रेंज ऑन अर्थ* में इतिहास, मिथक और लोककथाओं का तानाबाना है| सुजीव शाक्य के साथ संवाद में, स्टीफन दुनिया के सबसे लम्बे और युवा पर्वत श्रृंखला पर चर्चा करेंगे|

DAY 3

80. रैंडम एक्ट्स ऑफ़ काइंडनेस
ओम स्वामी संग संवाद पुनीता रॉय

लगभग दस साल पहले, ओम स्वामी अपनी भौतिक संपदा का त्याग कर अध्यात्म की तलाश में वाराणसी चले गए थे, जहां उन्होंने एक छोटे से गांव में नागा साधू के मार्गदर्शन में संन्यास का मार्ग अपनाया| इसके बाद, स्वामी ने 13 महीने गहन साधना में बिताये| युवा एकता फाउंडेशन की संस्थापक ट्रस्टी पुनीता रॉय के साथ संवाद में आप अपनी हालिया प्रकाशित किताब, *द बुक ऑफ़ काइंडनेस*, पर चर्चा करेंगे|

81. इस्तांबुल: ए टेल ऑफ़ थ्री सिटीज
बेट्नी ह्गेस सत्र परिचय टॉम हॉलैंड

इस्तांबुल हमेशा से एक ऐसी जगह रही है जहां कहानियां और इतिहास आपस में मिल जाते हैं, जहां एक विचार भी उतना ही बलवान होता है, जितना ऐतिहासिक तथ्य| कुरान से लेकर शेक्सपियर तक, इस शहर को तीन नामों - बीजेंटीयम, कांस्टेंटिनोपोल, इस्तांबुल - से जाना जाता है| पूर्व और पश्चिम के बीच एक गलियारे के रूप में खड़ा ये शहर रोमन, बिजेनटाईन, लैटिन और ओटोमन साम्राज्य की राजधानी रहा है| अपने इतिहास के साथ हमारे लिए ये एक शहर है, लेकिन बेट्नी ह्गेस बताती हैं कि एक शहर से अधिक ये एक कहानी है|

अपनी नई जीवनी में, हगेस हमें दुनिया के महान शहरों की ऐतिहासिक यात्रा पर ले जाती हैं| सत्र परिचय टॉम हॉलैंड देंगे|

82. हाउडी**,** अमेरिका**!**
वर्गीस के. जॉर्ज, श्याम सरन और जेफ्री गेट्लमैन संग संवाद नवतेज सरना

अमेरिका-भारत के संबंध लोकतंत्र के समान आदर्शों पर खड़े हैं| आधुनिक इतिहास का हर दौर इस महत्वपूर्ण रिश्ते में भौगोलिक सुरक्षा, स्थिरता, व्यापार और निवेश के संदर्भ से एक और परत जोड़ देता है| 2019 में, 'हाउडी मोदी', नाम से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और प्रेजीडेंट ट्रम्प के लिए एक माइलस्टोन कम्युनिटी समिट का आयोजन हस्टन में किया गया था| इस इवेंट में 50,000 से अधिक लोगों ने हिस्सा लिया था| एसोसिएट एडिटर, यूएस कोरेस्पोंडेंट वर्गीस के. जॉर्ज और *ओपन एम्ब्रेस: इंडिया-यूएस टाइस इन द ऐज ऑफ़ मोदी एंड ट्रम्प* के लेखक, भूतपूर्व विदेश सचिव श्याम सरन और भूतपूर्व भारतीय राजदूत नवतेज सरना लोकतंत्र के इतिहास, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा करेंगे|

83. काली'स डॉटर: कमिंग आउट एस ए दलित

यशिका दत्त और राघव चंद्रा संग संवाद प्रज्ञा तिवारी

एक सत्र जिसमें संस्मरण और कथा स्वरुप में जाति व्यवस्था पर बात की जाएगी| न्यू यॉर्क में रहने वाली यशिका दत्त का तीखा संस्मरण *कमिंग आउट एस ए दलित* उनकी पहचान की बात करता है| दलित के रूप में मीडिया में काम करने के मायने, और दूसरे मुद्दे| राघव चंद्रा का उपन्यास *काली'स डॉटर* दीपिका नाम की दलित लड़की पर केन्द्रित है| दीपिका भारतीय विदेश सेवा में कार्यरत है और अपने करियर से जुड़ी बहुत सी दुविधाओं से गुजरती है| पत्रकार प्रज्ञा तिवारी से संवाद में, वक्ता सामाजिक असमानता, जाति, वर्ग की बात करेंगे|

84. द लाइफ एंड लीजेंड ऑफ़ सुल्तान सलादीन
जोनाथन फिलिप्स संग संवाद ब्रायन ए. कैटलास

साम्राज्य-निर्माण और खूनी संघर्ष की महान गाथा के साथ, ये जीवनी इतिहास के सबसे सम्मानित सैन्य और मजहबी नायक की है, जो इस्लाम और ईसाइयत के जटिल संबंधों का झरोखा खोलती है|

जब सलादीन ने 1187 में मुजाहिदों से जेरुसलेम वापस लेकर, इस पवित्र नगरी को 90 सालों में पहली बार इस्लामिक शासन को लौटाया था| उसके इस काम से पूरा यूरोप सकते में रह गया था|

अरबी और यूरोपीय स्रोतों से जानकारी लेकर, जोनाथन फिलिप्स ने इतिहास के दोनों आदमियों का जबरदस्त चरित्र उभारा है| उनके बाद राजनीति और समाज पर पड़ने वाले प्रभाव को भी बखूबी दर्शाया गया है|

द लाइफ एंड लीजेंड ऑफ़ सुल्तान सलादीन बताती है कि कैसे एक आदमी का जीवन हमें सभ्यताओं के संघर्ष के पार ले जाता है|

85. डेविड गोडविन ऑन द वर्क ऑफ़ ए लिटरेरी एजेंट:
डेविड गोडविन संग संवाद नीलांजना एस. रॉय

लिटरेरी एजेंट करते क्या हैं? अपने क्लाइंट्स वो कैसे चुनते हैं और उनका काम प्रकाशक को कैसे बेचते हैं? दुनिया की सबसे मशहूर लिटरेरी एजेंसी की स्थापना और अरुंधती रॉय, विक्रम सेठ और दूसरे महान भारतीय लेखकों का प्रतिनिधित्व करने वाले प्रसिद्ध डेविड गोडविन अपनी सफलता के राज नीलांजना एस.रॉय से साझा करेंगे|

86. ऑफ़ द पीपल, बाय द पीपल: द इंडियन कंस्टीट्युशन
नवीन चावला, माधव खोसला और मार्गरेट अल्वा संग संवाद एन.राम

भारत का संविधान कैसे सबसे लम्बे समय तक टिक पाया? वर्ष 2020 में भारतीय संविधान 70 साल का हो जायेगा| कोलंबिया लॉ स्कूल के एसोसिएट प्रोफेसर, माधव खोसला अपनी आने वाली किताब में लोकतंत्र के मायने तलाशेंगे| ये संविधान भारतीय लोकतंत्र की नींव है| सत्र में खोसला के साथ होंगे भारत के भूतपूर्व चुनाव आयुक्त नवीन चावला, भूतपूर्व राज्य गवर्नर मार्गरेट अल्वा और *द हिन्दू* के भूतपूर्व संपादक एन.राम|

87. ट्रांसफॉरमेशन: द बिजनेस ऑफ़ बिजनेस
तरुण खन्ना, अरुण मायरा, फ्रांचेस्का कार्तिएर ब्रिकेल और डेविड मैकविलियम्स संग संवाद
हिंडोल सेन गुप्ता

एक सत्र जो ये जानने की कोशिश करेगा कि कैसे सामाजिक असमानता और पर्यावरणीय अस्थिरता के बीच आर्थिक विकास की दर को बढ़ाया जा सकता है| यद्यपि लाखों युवा भारतियों के कार्यक्षेत्र और उद्यमों में गए हैं, लेकिन फिर भी नीतिनिर्माता इन संस्थानों से स्थिर विकास पर भरोसा नहीं कर पा रहे हैं| सरकार, उद्योग और अकादमिक क्षेत्र से आये विशेषज्ञों का एक विशेष पैनल इसी सवाल का जवाब खोजने की कोशिश करेगा|

तरुण खन्ना हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर और *ट्रस्ट: क्रिएटिंग द फाउंडेशन फ़ॉर एंट्रीप्रेन्योरशिप इन डवलपिंग* के लेखक हैं| अरुण मायरा ने लीडरशिप, ओर्गनाइजेशनल ट्रांसफोरमेशन और पूँजीवाद पर अनेकों किताबें लिखी हैं| अर्थशास्त्री डेविड मैकविलियम्स *रेनेंसा नेशन* के लेखक हैं| हिंडोल सेनगुप्ता नौ किताबें लिख चुके हैं, जिनमें *द मैन हू सेव्ड इंडिया* और *रिकास्टिंग इंडिया* भी शामिल है| फ्रांचेस्का कार्तिएर ब्रिकेल जीन-जैक्यूस कार्तिएर की पर-पोती हैं, और कार्तिएर परिवार की आखरी व्यक्ति हैं, जो उनका फेमस ज्यूलरी हाउस संभाल रही हैं| आपकी किताब *द कार्तिएर्स: द अनटोल्ड स्टोरी ऑफ़ द फॅमिली बिहाइंड द जेवेलरी एम्पायर*, में कार्तिएर भाइयों और परिवार की अनकही कहानियां हैं|

88. वोग हाउस
निकोलस कोलेरिज संग संवाद दिविया थानी

कोंडे नास्ट में तीस साल से अधिक के कैरियर में, निकोलस कोलेरिज ने सब कुछ देखा| प्रिंसेस ऑफ़ वेल्स की नाराजगी से लेकर अल-फायेद के क्रोध तक| आपने लोगों की कहानियों को ग्लैमर के चमकीले पन्नों पर जगह दी| आपने सच्चाई से टीना ब्राउन और एना विन्टौर, डेविड बोवी और फिलिप ग्रीन, केट मोस और बेयोंस के विवादों की अंदरूनी कहानी बताई, तो मार्ग्रेट थेचर की क्लोथ लीगेसी और बॉब गेल्दोफ़ की आलीशान छुट्टियाँ भी|

द ग्लॉसी इयर्स में फैशन और पत्रकारिता की सारी दिलचस्प कहानियां शामिल हैं| सत्र सञ्चालन दिविया थानी करेंगी|

89. द बॉडी, द सिटी
राज कमल झा और रिया मुखर्जी संग संवाद पार्वती शर्मा

राज कमल झा का शक्तिशाली उपन्यास, *द सिटी एंड द सी*, भारत में महिलाओं के विरूद्ध हो रही हिंसा और यहां की जटिल संस्कृति की परतें खोलता है| रिया मुखर्जी की पहला उपन्यास *द*

बॉडी मिथ महिला शरीर से जुड़ी कामुकता और विरूपता को हटाकर उसके स्वामित्व की बात करता है| लेखिका पार्वती शर्मा के साथ संवाद में, वक्ता उपन्यास और तन, मन और समाज के तारतम्य के साथ ही प्यार, इच्छाएं और सदमे की भी बात करेंगे|

90. पार्टीशन वॉइसेस
कविता पुरी और सैम डेलरिम्पल संग संवाद आंचल मल्होत्रा

कविता पुरी के पिता महज 12 साल के थे, जब उन्होंने खुद को लाखों सरदारों, हिन्दुओं और मुसलमानों में फंसा हुआ पाया, जिन्हें बॉर्डर से खदेड़ा जा रहा था| 70 सालों तक, बहुत से दूसरे लोगों की तरह, वो भी उस भय की तरफ चुप्पी साधे रहे| जब आखिरकार उसके पिता ने पुरी परिवार का भुला दिया इतिहास बताया, तो कविता और भी सिरे जोड़ने पर मजबूर हुईं| एक साम्राज्य के अंत और दो देशों के मुश्किल जन्म के साथ उत्पन्न हुआ ये दर्द, पुरी ने विभाजन की अपनी कहानियों में पिरोया है|

पार्टीशन वॉइसेस में, वो ख़ामोशी को तोड़कर उस मुश्किल सच को सामने लाने की कोशिश है| सत्र में, आंचल मल्होत्रा और सैम डेलरिम्पल विभाजन से जुड़े अपने संस्मरणों को साझा करेंगे|

91. स्ट्रे बर्ड्स ऑन द हुआंगपू
मिशी सरन सत्र परिचय निरुपमा राव

19वीं सदी में भारत के हर हिस्से से शंघाई में बसे युवाओं और हांगकांग के वर्तमान दिन में विरोध करते चीनी युवाओं में क्या समानता है? जब भारत और चीन के आधुनिक देश वर्ष 2020 में औपचारिक संबंधों के 70 साल पूरे कर रहे हैं, तो चीन में 'नया दौर, साझा भविष्य' के नारे गूंज रहे हैं| ऐसे में ये याद रखना महत्वपूर्ण है कि प्रान्त का अतीत पहले ही धुंधला और आपस में उलझा हुआ है| एक दुर्लभ चीन-भारतीय किताब की साझेदारी में, पुरस्कृत लेखिका मिशी सरन ने आर्काइव से अप्रकाशित तस्वीरें, निजी डायरी और अनसुनी कहानियों का खजाना निकाला है|

92. इन अदर वर्ड्स: कभी कभी मैं ये सोचता हूं
जावेद अख्तर संग संवाद सैफ महमूद और निष्ठा गौतम

बहुआयामी कवि और पटकथा लेखक जावेद अख्तर लोकप्रिय कविता, बॉलीवुड स्टारडम, हिन्दुस्तानी शास्त्रीय परम्परा और उर्दू काव्य में अपना विशेष मुकाम रखते हैं| लेखक, संपादक और वकील सैफ महमूद और पत्रकार निष्ठा गौतम से बात करते हुए, अख्तर साहब कला, आज़ादी, लोकप्रिय संस्कृति की भूमिका पर चर्चा करेंगे|

93. क्लाइंबिंग द मैंगो ट्री: फ़ूड एंड मेमोरी
मधुर जाफ़री संग संवाद चंद्रहास चौधरी

भारतीय अभिनेत्री, खाद्य और यात्रा लेखिका मधुर जाफरी अपनी भिन्न भूमिकाओं की बात करेंगी| दिल्ली में बिताये उनके शुरुआती साल से लेकर मर्चेंट - आइवरी और रुथ प्रावेर झाबवाला से मुलाकात, थियेटर और फिल्मों का सफर और फिर खाने से उनका लगाव| एक दिलचस्प सत्र में 86 वर्षीय अदाकारा लेखिका से संवाद चंद्रहास चौधरी करेंगे|

94. रीराइटिंग लंदन
गाए गुनारत्ने और बेन जुदाह संग संवाद एलेन कनिंग

बेन जुदाह की *दिस इज लंदन* 'लंदन पर पकड़ बनाकर, इसके सीक्रेट्स को खोलते हुए' शहर के आप्रवासियों के छिपे जीवन को सामने लाती है| जाने-माने विदेशी संवाददाता इस गुप्त संसार को समझने के लिए खुद इसमें उतरकर इसकी सचाई को समझते हैं| गाए गुनारात्ने को उनकी किताब *इन आवर मैड एंड फ्युरिअस सिटी* के लिए वर्ष 2019 के डिलन थॉमस प्राइज से सम्मानित किया गया| उपन्यास की शुरुआत लंदन में बिताये अविस्मरणीय 48 घंटों से होती है, जब एक काला आदमी ऑफ-ड्यूटी सोल्जर की हत्या कर देता है| इस दिलचस्प सत्र में एलेन कनिंग के साथ संवाद में गाए लंदन के बदलते चेहरे की बात करेंगे|

95. द आर्ट ऑफ़ इनोवेशन
टिली ब्लीथ और पायल अरोड़ा संग संवाद तरुण खन्ना

इतिहास, कलाकारों और वैज्ञानिकों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि प्रयोग की आकांक्षा, प्रेरणा और अनुशासन से ही किसी आविष्कार का जन्म होता है| इस सत्र में, साइंस म्यूजियम लंदन के प्रिंसिपल क्यूरेटर टिली ब्लीथ अपनी किताब, *द आर्ट ऑफ़ इनोवेशन: फ्रॉम एनलाइटेनमेंट टू डार्क मैटर* पर चर्चा करेंगी| यूनिवर्सिटी रोटेरडैम की प्रोफेसर और कई किताबों की पुरस्कृत लेखिका पायल अरोड़ा कलाकार की कल्पना में विज्ञान और तकनीक की भूमिका पर चर्चा करेंगी| पायल की किताब है, *द नेक्स्ट बिलियन यूजर्स*| सत्र संचालन हार्वर्ड बिजनेस स्कूल के प्रोफेसर तरुण खन्ना करेंगे|

96. प्रेमचंद के फटे जूते: द टॉर्न शूज ऑफ़ द प्रेमचंद
सारा राय और अनिसुर रहमान संग संवाद वाणी त्रिपाठी टिकू

सर्वाधिक लोकप्रिय और सम्मानित हिंदी लेखक, मुंशी प्रेमचंद को साहित्यकार और व्यंग्यकार हरिशंकर परसाई ने 'प्रेमचंद के फटे जूते' निबंध में अमर कर दिया है| निबन्ध के एक औपचारिक फोटो में प्रेमचंद अपनी पत्नी के साथ बैठे हैं, और उनके दाहिने पैर के जूते में एक छेद दिखाई दे रहा है| इन्स्टाग्राम के इस युग में, ये इमेज एक ऐसे हालात, नजरिये को दिखाती है, जिसे शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता| लेखिका और अनुवादक, सारा राय, जो मुंशी प्रेमचंद की परपोती भी हैं, प्रेमचंद के जीवन और लेखक के रूप में उनकी विरासत पर चर्चा करेंगी| सत्र में लेखक, अनुवादक और संपादक अनिसुर रहमान और सारा राय के साथ वाणी त्रिपाठी टिकू संवाद करेंगी|

97. द साइंस ऑफ़ हैरी पॉटर
रोजेर हाईफील्ड संग संवाद केशव गुहा

हैरी पॉटर की रहस्यमयी दुनिया सिर्फ जादू और गैर-जादू के बीच का संघर्ष नहीं है| ये वैज्ञानिक थ्योरी, अध्यात्मविज्ञान और जटिलता के बीच में सम्पर्क का खेल है| *द साइंस ऑफ़ हैरी पॉटर* के लेखक रोजेर हाईफील्ड जादू और विज्ञान के बीच के दिलचस्प सम्बन्ध को तलाशते हैं और बताते हैं कि कैसे पॉटर की किताबों में विज्ञान तलाशा जा सकता है|

इस सत्र में विज्ञान की कहानियों के मजेदार सफर में 20वीं सदी के सबसे कल्ट क्लासिक को जिया जायेगा| हाईफील्ड के साथ संवाद लेखक और संपादक केशव गुहा करेंगे, जिनका उपन्यास *एक्सीडेंटल मैजिक* 2000 के दशक की शुरुआत के बोस्टन पर आधारित है, जबकि एक पूरी पीढ़ी हैरी पॉटर की दीवानी थी|

98. महाकवि कन्हैयालाल सेठिया पोएट्री अवार्ड

महाकवि कन्हैयालाल सेठिया विश्व प्रसिद्ध कवि, शिक्षाविद, समाज सुधारक, पर्यावरणविद और स्वतंत्रता सेनानी थे| सेठजी ने हिंदी, उर्दू और राजसथानी में 42 किताबें लिखी हैं|

कविता के प्रचार और प्रसार के लिए, जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल, महाकवि कन्हैयालाल सेठिया फाउंडेशन के साथ मिलकर महाकवि कन्हैयालाल सेठिया की स्मृति में वार्षिक पुरस्कार प्रदान करता है| अवार्ड की प्रतिष्ठित ज्यूरी में नमिता गोखले, संजॉय रॉय, जयप्रकाश सेठिया और सिद्धार्थ सेठिया शामिल होंगे|

102. क्रिकेट: द स्प्रिट ऑफ़ द गेम
शशि थरूर, गिडिअन हैघ और राजदीप सरदेसाई संग संवाद केशव गुहा

समाज सिद्धांतवादी आशीष नंदी कहते हैं, "क्रिकेट एक भारतीय खेल है, जिसकी खोज संयोग से अंग्रेजों से की थी|" उपनिवेशी जड़ों से आई ये खेल परम्परा, अब राष्ट्रीय पहचान का प्रतीक बन गई है| ये युद्ध का ऐसा मैदान है जहां दो देश आपस में भिड़ते हैं| इस सत्र में इंडिया और ऑस्ट्रेलिया की क्रिकेट दीवानगी, महत्वाकांक्षा और व्यापारिक मजबूरियों पर बात की जाएगी|

शशि थरूर एक राजनेता, जन बौद्धिक, पुरस्कृत लेखक और क्रिकेट के दीवाने हैं| आपकी किताब *शेडोज अक्रॉस द प्लेइंग फील्ड: 60 इयर्स ऑफ़ इंडिया-पाकिस्तान क्रिकेट*| गिडिअन हैघ जाने-माने खेल पत्रकार और *क्रासिंग द लाइन: हाउ ऑस्ट्रेलियन क्रिकेट लॉस्ट इट्स वे एंड फ्रॉम फ्लोक टू बैगी ग्रीन* के लेखक हैं| प्रसिद्ध न्यूज़ एंकर, लेखक और वरिष्ठ पत्रकार राजदीप सरदेसाई की किताब है *डेमोक्रेसी'स XI: द ग्रेट इंडियन क्रिकेट स्टोरी*| जगरनॉट के फिक्शन एडिटर और खेल के दीवाने केशव गुहा सत्र संचालन करेंगे|

103. द अनार्की
विलियम डेलरिम्पल सत्र परिचय मनु एस.पिल्लई

अगस्त 1765 में ईस्ट इंडिया कंपनी ने युवा मुग़ल सम्राट को पराजित कर, उसे ऐसा प्रशासन स्थापित करने पर मजबूर किया, जिसका नियंत्रण अमीर अंग्रेज व्यापारियों के हाथ में होता|

द ईस्ट इंडिया कम्पनी के आधिकारिक राजपत्र में 'युद्ध' की अनुमति थी, और वो हमेशा मामले को हिंसा से ख़त्म करते थे| कम्पनी की पहुंच पूरे भारत पर थी| भारत के दक्षिण से लेकर हिमालय तक नियंत्रण बड़ी सहजता से लंदन के बोर्डरूम से चल रहा था|

द अनार्की हमें दुनिया के सबसे ताकतवर साम्राज्य के विघटन और उसकी जगह एक प्राइवेट कम्पनी के शासन की कहानी है| अपनी सबसे महत्वाकांक्षी किताब में, विलियम डेलरिम्पल दुनिया की सबसे पहली कोर्पोरेट पॉवर की अनसुनी परतों से पर्दा उठाएंगे| सत्र परिचय मनु एस.पिल्लई करेंगे|

104 . टेक होराइजंस: द नेक्स्ट बिलियन यूजर्स
पायल अरोड़ा और जसप्रीत बिंद्रा संग संवाद विंदु गोयल

डिजिटल संग्रहकर्ता पायल अरोड़ा ने अपनी किताब *द नेक्स्ट बिलियन यूजर्स: डिजिटल लाइफ बियॉन्ड द वेस्ट* में चीन, ब्राज़ील और इंडिया के लाखों लोगों की ऑनलाइन जिंदगी का निरीक्षण किया है| जसप्रीत बिंद्रा की नई किताब द टेक व्हिस्पर्र में डिजिटल ट्रांसफोरमेशन और तकनीक के विषय में विस्तार से बताया गया है| विंदु गोयल के साथ संवाद में वक्ता तकनीक से जुड़े अपने विचार साझा करेंगे|

105. इटिंग बुक्स
नीलांजना एस.रॉय, चंद्रहास चौधरी और केशव गुहा संग संवाद नवतेज सरना

सुपठित लेखक किताबों के प्रति प्यार और किताबी कीड़े बनने के लक्षणों के बारे में बताएँगे| नीलांजना एस.रॉय की किताब *द गर्ल हू एट बुक्स*, हमें रीडिंग के बारे में बताती है| चंद्रहास चौधरी पिछले चार सालों से *मिंट लाउन्ज* के लिए किताबों की समीक्षा लिख रहे हैं और आपने *इंडिया: ए ट्रेवलर'स लिटरेरी कम्पैनियन* का संपादन भी किया है| केशव गुहा का हाल में प्रकाशित हुआ उपन्यास *एक्सिडेंटल मैजिक* हमें हैरी पॉटर की काल्पनिक दुनिया में ले जाता है| नवतेज सरना के साथ संवाद में ये लेखक अपनी जिंदगी और काम पर चर्चा करेंगे|

106 . ट्वाइस-बोर्न राइटर्स: द बाईलिंगुअल इमेजिनेशन
कुनाल बसु, अरुणी कश्यप और अनुकृति उपाध्याय संग संवाद मालश्री लाल

हम जितनी भाषाएँ बोलते, पढ़ते और लिखते हैं, उतनी ही दुनियाओं में रहते हैं| ऐसे प्रतिभासंपन्न लेखक, जो अपनी मातृभाषा और सीखी गई भाषा में काम कर रहे हैं, उनमें सेमुएल बेकेट और व्लादिमीर नबोकोव का नाम प्रमुख है| एक दिलचस्प सत्र में, ऐसे बहुभाषी लेखक अपनी बात पाठक तक पहुंचाएंगे| वक्ताओं में कुनाल बसु, अरुणी कश्यप और अनुकृति उपाध्याय के साथ संवाद करेंगी मालश्री लाल|

107. द रिवर्स, द स्काई, द सेल्फ
Arambam Memchoubi(TBI), ईस्टेरीन कीरे*,* मृदुल हलोई संग संवाद उर्वशी बुटालिया

भारत के उत्तर-पूर्व के चार लेखकों के साथ एक प्रेरक सत्र में उनकी यादों, पृष्टभूमि, लोक कथा, वाचिक परम्परा इत्यादि पर बात होगी| सत्र वक्ताओं में शामिल हैं: नागालैंड के पुरस्कृत कवि, कहानीकार, उपन्यासकार **ईस्टरीन कीरे**; और 2017 में साहित्य अकादेमी युवा पुरस्कार विजेता **मृदुल हलोई**| विशिष्ट पैनल से चर्चा करेंगी अकादमिक और फेमिनिस्ट पब्लिशर **उर्वशी बुटालिया**|

108 . कल्चर एंड रिजीलिअंस
पवन वर्मा, राघवेन्द्र सिंह, अरविन्द सिंह मेवार और जैमी एंड्रू और सबा नकवी संग संवाद संजॉय के. रॉय

संस्कृति वो गोंद है जो समाज को आपस में चिपकाये रखती है| सांस्कृतिक विविधता वह मैट्रिक्स है जिस पर किसी भी समाज का लचीलापन टिका हुआ है। एक सत्र जो सांस्कृतिक कथाओं, उनकी एकता और विविधता और उनके द्वारा बनाए गए समुदायों और बंधनों की पड़ताल करता है। लेखक, राजनेता और भूतपूर्व राजनयिक पवन के. वर्मा संस्कृति और समुदाय पर अनेकों किताबें लिख चुके हैं, जिनमें उनकी हाल ही में लिखी *आदि शंकराचार्य* और *चाणक्य* भी शामिल है| हाउस ऑफ़ मेवार के 76वें कस्टोडियन, अरविन्द सिंह मेवार भारतीय बिजनेसमैन और HRH ग्रुप ऑफ़ होटल के चेयरमैन हैं| भूतपूर्व कल्चर सेक्रेटरी राघवेन्द्र सिंह वर्तमान में डवलपमेंट म्यूजियम एंड कल्चरल स्पेस के सीईओ हैं| जैमी एंड्रू ब्रिटिश लाइब्रेरी के कल्चर हेड हैं| सत्र सञ्चालन टीमवर्क आर्ट्स के मैनेजिंग डायरेक्टर संजॉय के. रॉय करेंगे|

109. स्वच्छ भारत, स्वस्थ भारत
अमिताभ कांत, परमेश्वरन अय्यर और नमिता वाईकर संग संवाद संचयिता गजपति

वर्ष 2014 में महात्मा गांधी की जयंती पर शुरू हुआ, स्वच्छ भारत मिशन राष्ट्रीय साफ़-सफाई और स्वच्छता के प्रति एक आन्दोलन है| पिछले पांच वर्षों में इसने काफी लम्बा सफर तय किया और 2 अक्टूबर 2019 में, महात्मा गांधी की 150वीं जयंती पर ग्रामीण भारत ने खुले में शौच से मुक्ति का ऐलान किया| पीने के पानी और स्वच्छता के सचिव, नौकरशाह परमेश्वरन अय्यर ने इसी आंदोलन को अपनी किताब, *द स्वच्छ भारत रिवोल्यूशन: फोर पिलर्स ऑफ़ इंडिया'स बिहेवरियल ट्रांसफ़ॉर्मेशन* में दर्ज किया है| अय्यर के साथ ही, नीति आयोग के सीईओ अमिताभ कांत, पीपल'स आर्काइव ऑफ़ रूरल इंडिया की सह-संस्थापक और मैनेजिंग एडिटर नमिता वाईकर और संचयिता गजपति सत्र में शामिल होंगे|

109. द गर्ल फ्रॉम अलेप्पो: नुजीन'स एस्केप फ्रॉम वॉर टू फ्रीडम
क्रिस्टीना लैम्ब संग संवाद सुहासिनी हैदर

नुजीन मुस्तफा को सेरिब्रल पाल्सी है लेकिन ये उसे दुनिया घूमने से नहीं रोक पाया| वो अपनी व्हील चेयर पर बैठकर सीरिया से नई जिन्दगी की तलाश में निकल लीं| नुजीन की पूरी कहानी को पहली बार साझा किया जा रहा है, जिसमें उनके बचपन से लेकर, शिक्षा हासिल करने, और इलाज तक का पूरा वर्णन शामिल है|

नुजीन की ये कहानी पहले ही लाखों लोगों के दिलों को छू चुकी है, और क्रिस्टीना लैम्ब की लिखी ये किताब बेस्टसेलर है|

सुहासिनी हैदर के साथ संवाद में, लैम्ब बतायेंगी कि शरणार्थी होने के क्या मायने होते हैं, तानशाही में पलना और पूरी जिन्दगी युद्ध का सामना करना| ये हमारे समय की कहानी है, जिसे एक लड़की ने बहादुरी से, मुस्कुराते हुए बताया है|

110. ए पेशेंट असासिन
अनीता आनंद सत्र परिचय आंचल मल्होत्रा

जब पंजाब के लेफ्टिनेंट गवर्नर, सर माइकल ओ'ड्वायर ने ब्रिगेडियर जनरल रेजिनाल्ड डायर को अमृतसर के लिए आदेश दिया, तो वो शहर में शांति स्थापित करना चाहते थे| लेकिन इसके बाद जो हुआ उसने दुनिया को सकते में डाल दिया| वर्ष 1919 में अमृतसर के जालियांवाला बाग़ में हुई एक अनाधिकारिक राजनैतिक सभा में सर माइकल ने क़ानून का जोर दिखा दिया| डायर ने अपने हथियारबद्ध सैनिकों को उस मैदान में भेज दिया, जहाँ हजारों निहत्थे महिला, पुरुष और बच्चे जमा थे| और फिर उसने बिना कुछ सोचे गोलियां चलाने का आदेश दे दिया| दस मिनट

तक, वो लगातार गोलियां चलाते रहे, और तभी रुके जब 1650 गोलियां चल चुकी थीं| उनके जवाब में एक भी गोली नहीं चली थी|

कहानियों के अनुसार, एक युवक, निम्न-जाति का अनाथ, उधम सिंह भी उस हमले में घायल हुआ था, वो लाशों के बीच ही पड़ा रहा, जब तक कि अगली सुबह वो हिलने के लायक नहीं हुआ| फिर उसने खून से सनी मिट्टी को उठाया और उसे अपने माथे पर लगाते हुए कसम खाई कि वो इसके जिम्मेदार आदमी को मार देगा, भले ही इसमें कितनी ही देर लगे|

इस सत्र में अनीता आनंद 20 वर्षीय इस युवक के बदले की कहानी बतायेंगी, जिसने अमृतसर के उस हत्यारे की तलाश में पूरी दुनिया की ख़ाक छान दी| सत्र परिचय आंचल मल्होत्रा देंगी|

111. कैरावाजिओ**:**

टेरेंस वार्ड और सिमोन श्कामा संग संवाद कविता सिंह

कैरावाजिओ का नाम ही इतिहास में पुनर्जागरण काल का द्योतक है| वो चित्रकार जो अपने चित्रों को निहारने के लिए मजबूर कर देता है, अंधेरे और प्रकाश से बने इन चित्रों में मानव पीड़ा, विलाप और अतिशयोक्ति को स्टार्क कंट्रास्ट में उजागर किया गया है। इतिहासकार और कला आलोचक अपनी किताब, *द पॉवर ऑफ़ आर्ट* में उसी चित्रकार की कहानी बयां करते हैं, जिसकी जिंदगी भी उसकी कला की ही तरह नाटकीय थी| अपने हालिया प्रकाशित संस्मरण, *द गार्जियन ऑफ़ मर्सी* में डाक्यूमेंट्री प्रोडूसर और कन्सलटेंट टेरेंस वार्ड कलाकार की असाधारण जिंदगी को बयां करते हैं| एक सत्र जो अतीत की कला को समर्पित है| सत्र सञ्चालन कविता सिंह करेंगी|

113. इंडिया’स लॉस्ट फ्रंटियर: द स्टोरी ऑफ़ द नॉर्थ-वेस्ट फ्रंटियर प्रोविंस ऑफ़ पाकिस्तान
राघवेन्द्र सिंह संग संवाद अनीत मुखर्जी

उत्तर-पश्चिम सीमांत प्रांत (NWFP) क्षेत्र पर एक महत्वपूर्ण सत्र| इस क्षेत्र को खैबर पख्तूनख्वा नाम के तहत पुनर्गठित किया गया, जहां लेखक राघवेंद्र सिंह ने इतिहास के लेंस के माध्यम से हमारे राजनीतिक भू-भाग की जांच की। NWFP हमेशा महत्वपूर्ण रूप से महत्वपूर्ण रहा, क्योंकि इसने जिन्ना के ‘दो राष्ट्र’ सिद्धांत को नकारते हुए, वर्ष 1946 में भारी मुस्लिम होने के बावजूद भी कांग्रेस सरकार का चुनाव किया| सिंह आगे तर्क देते हैं कि यह एक महत्वपूर्ण रक्षा बिंदु था, जिसका सामरिक महत्व तेजी से शक्तिशाली होते चीन की उपस्थिति में देश की सुरक्षा के लिए अधिक महत्वपूर्ण है। लेखक एक वरिष्ठ सिविल सेवक हैं, जो वर्तमान में म्यूजियम एंड कल्चरल स्पेसेस के सीईओ, विकास और महानिदेशक, राष्ट्रीय अभिलेखागार हैं| सत्र संचालन अकादमिक और पूर्व भारतीय सेना अधिकारी अनीत मुखर्जी करेंगे।

114 . बुक लॉन्च: अनलीशिंग द वज्र: नेपाल’स जर्नी बिटवीन इंडिया एंड चाइना
सुजीव शाक्य संग संवाद ब्रूनो मार्केस

सुजीव शाक्य की नई किताब नेपाल के ऐतिहासिक और समकालीन यथार्थ की जबरदस्त खोज है| इसमें देशों की अर्थव्यवस्था से लेकर इंसानों, भिन्न संसारों और हिमालय की भी धुरी शामिल है| ब्रूनो मार्केस के साथ संवाद में, शाक्य अपने देश की जबरदस्त ऊर्जा और असीम संभावनाओं पर विचार करेंगे|

116. ए वाक ऑन द वाइल्ड साइड

117. वेयर डज़ फिक्शन कम फ्रॉम?
एलिज़ाबेथ गिल्बर्ट, लीला स्लीमनी, जीन हांफ कोरेलित्ज़, अवनि दोशी, जॉन लेंचेस्टर और होवार्ड जैकबसन संग संवाद डेमियन बर्र

फिक्शन कहां से आता है? सृजन की प्रक्रिया क्या है? आप चरित्र और हालात ओ विश्वसनीय कैसे बनाते हैं - और पाठक उससे जुड़ाव कैसे महसूस करता है? दुनिया के पांच नामी उपन्यासकार -- एलिज़ाबेथ गिल्बर्ट, लीला स्लीमनी, जीन हांफ कोरेलित्ज़, अवनि दोशी, जॉन लेंचेस्टर और होवार्ड जैकबसन - उपन्यास की कला पर डेमियन बर्र के साथ चर्चा करेंगे|

118. ओलम्पिक्स एंड द इंडिया स्टोरी
नलिन मेहता, दीपा मलिक, देवेन्द्र झाझरिया और बोरिया मजुमदार संग संवाद

इंडिया'स ओलंपिक स्टोरी पहले विश्व युद्ध के दौरान, ओलंपिक में भारत की उपस्थिति के बारे में बताती है, जो लंदन ऑफिस में मिले पुराने रिकॉर्ड्स पर आधारित है| इस सत्र में उल्लेखनीय किताबों के लेखक नलिन मेहता और बोरिया मजूमदार के साथ खिलाड़ी दीपा मालिक, देवेन्द्र झाझरिया खेल से जुड़ी कहानियों को श्रोताओं से साझा करेंगे|

119. लिटरेचर फॉर ऑल: द जेसीबी प्राइज शोर्टलिस्ट इन ब्रेल:
मीता कपूर, अनंत पद्मनाभन*(TBI)* दीपेन्द्र मिनोचा और सिद्धांत शाह

साहित्य के लिए दिए जाने वाले जेसीबी पुरस्कार का उद्देश्य प्रतिष्ठित भारतीय कथा साहित्य की पहचान और अनुवाद को प्रोत्साहित करना है| वर्ष 2018 में स्थापित, इस पुरस्कार पर हार्पर कोलिंस के सीईओ अनंत पद्मनाभन; सक्षम ट्रस्ट के संस्थापक और वर्ल्ड ब्लाइंड यूनियन के सदस्य दीपेन्द्र मिनोचा; सियाही की संस्थापक और सीईओ मीता कपूर चर्चा करेंगे| सत्र संचालन सिद्धांत शाह करेंगे| वर्ष 2020 की शोर्टलिस्ट की पहली बार सार्वजानिक घोषणा भी की जाएगी|

120. माय नेम इज वाय
लेम्न सीसे सत्र परिचय नंदिनी नायर

17 साल की उम्र में, अपना बचपन दत्तक परिवार के साथ गुजारने, फिर केयर होम्स में रहने के बाद नोर्मन ग्रीनवुड को उनका बर्थ सर्टिफिकेट दिया गया| उन्हें पता चला कि उनका नाम नोर्मन नहीं था| उनका नाम लेम्न सीसे था| वो ब्रिटिश और इथियोपियन थे, और उन्होंने जाना कि जन्म के बाद से ही उनकी मां उनकी सुरक्षित वापसी की गुहार लगा रही थीं| ये लेम्न की कहानी है, लापरवाही और दृढ़ता की कहानी, बदकिस्मती और आशा, निष्ठुरता और विजय की कहानी|

सीसे ने केयर होम में बचपन गुजारा और उस सिस्टम, वर्ण प्रथा, परिवार और उसके अर्थ को समझा| उस समझ के साथ लिखा गया ये संस्मरण आपकी भावनाओं को जागृत कर देता है| सत्र परिचय नंदिनी नायर देगीं|

121. पोएट्री दरबार

अनामिका, शोलेह वोल्पे, अरविन्द कृष्ण मेहरोत्रा, स्टीफन सेक्सटनम, ईस्टरीन कीरे और एनी जैदी, सत्र संचालन लक्ष्य दत्ता

बहु-भाषी काव्य पाठ की इस श्रृंखला में, बहुत से मूड और मीटर की कविताएं सुनाई जाएँगी| काव्य के इस संसार में कविता के हर रूप का जश्न मनाया जायेगा|

122. द अट्रेक्शन एंड पेरिल्स ऑफ़ यूटोपिया
आकाश कपूर संग संवाद पीटर हेस्लर

हिंसक और अप्रत्याशित समय में, एक अधिक आदर्श भविष्य की कल्पना करने और बेहतर दुनिया के सपने में जकड़ने के लिए एक हताश आग्रह है। साम्यवाद से तकनीकी निर्धारणवाद तक, मानव इतिहास ने बार-बार यूटोपियन सोच के नुकसान का प्रदर्शन किया है। दूसरी ओर, वृद्धिवाद भी फैशन से बाहर हो गया है, और हमारे युग की चुनौतियों के लिए अपर्याप्त लगता है। तो प्रगति के लिए रास्ता कहाँ है (और प्रगति का मतलब क्या है**?**) ? आकाश कपूर की आगामी किताब इसी यूटोपिया की खोज पर है| सत्र संचालन लेखक और पत्रकार पीटर हेस्लर करेंगे|

DAY 4

123 टाईरेंट: शेक्सपियर ऑन पॉलिटिक्स
स्टीफन ग्रीनब्लाट सत्र परिचय विशाल भारद्वाज

संवेदनशील पोषित संस्थाएं, अव्यवस्थित राजनीतिक वर्ग, आर्थिक विपन्नता से लोगों में गुस्सा, लोगों का जानबूझकर झूठ बोलना, पक्षपातपूर्ण विद्वेष, अभद्रता के शानदार नियम —समाज के इन संकटग्रस्त पहलुओं ने शेक्सपियर को मोहित किया और उनके कुछ सबसे यादगार नाटकों को आकार दिया। विचित्र निरीक्षण के साथ, उन्होंने बाल मनोविज्ञान और एंटीहीरो को उन्होंने देखा, और कल्पना की कि उन्हें कैसे रोका जा सकता है। शेक्सपियर पर शोध करने वाले, दुनिया के जाने-माने शोधार्थी स्टीफन ग्रीनब्लाट शेक्सपियर की प्रासंगिकता पर चर्चा करेंगे|

124. आईज राईट: अवेकनिंग भारत माता
हितेश शंकर, स्वपन दासगुप्ता, सबा नकवी, मकरंद आर. परांजपे संग संवाद प्रज्ञा तिवारी

स्वपन दासगुप्ता की हालिया प्रकाशित किताब *अवेकनिंग भारत माता: द पॉलिटिकल बिलीफ ऑफ़ द इंडियन राईट* भारत में दक्षिणपंथी क्रांति की बात करती है| विचारकों और लेखकों के का हवाला देते हुए, यह उन महत्वपूर्ण धागों की पहचान करता है जो एक ऐसी विचारधारा का गठन करते हैं जिसने देश भर में तेजी से कर्षण और वर्चस्व वाले वोट बैंक हासिल किए हैं। सत्र में हितेश शंकर, स्वपन दासगुप्ता, सबा नकवी, मकरंद आर. परांजपे अपने विचार पत्रकार प्रज्ञा तिवारी के साथ साझा करेंगे|

125. वन ऑफ़ अस: द स्टोरी ऑफ़ आंद्रेस ब्रेविक एंड द मैसकर इन नॉर्वे
एस्ने सेइएर्स्तद संग संवाद क्रिस्टीना लैम्ब

22 जुलाई 2011 को आंद्रेस ब्रेविक ने सेंट्रल ओस्लो में नोर्वेजियाई प्रधानमंत्री के कार्यालय के बाहर एक बम-विस्फोट किया, जिसमें आठ लोग मारे गए| फिर वो उटोया के जंगल की तरफ गया, जहाँ यूथ कैंप में उसने 69 लोगों को मार दिया, जिनमें से अधिकांश देश की लेबर पार्टी के सदस्य थे| *वन ऑफ़ अस* में पत्रकार एस्ने सेइएर्स्तद उसी भयानक दिन की कहानी बताती हैं| ओस्लो का होनहार बच्चा, ब्रेविक कैसे यूरोप का सबसे जघन्य आतंकवादी बना? एक अकेले आदमी ने कैसे इतने लोगों को मार दिया?

वन ऑफ़ अस हिंसा पर एक मनोवैज्ञानिक अध्ययन है| सत्र संचालन क्रिस्टीना लैम्ब करेंगी|

126. अनइन्हेबीटेबल अर्थ
जॉन लंचेस्टर, डेविड वेल्स, मार्कस मोएंच और नवरोज़ डूबाश संग संवाद प्रेम झा

जलवायु परिवर्तन कोई दूर की चीज नहीं रह गया है| वर्तमान में हम पर्यावरण के भीषण संकट से जूझ रहे हैं| डेविड वेल्स की नई प्रकाशित किताब *द न्यू यॉर्क टाइम्स* में छपे लेखों का

संकलन है, जो हमें पर्यावरण के भयावह संकेतों के प्रति सचेत करते हैं| ये सत्र इस समय की जरूरत है, जो मानवता पर आ चुके खतरे के प्रति हमें सजग करता है|

127. आर्कियोलोजी फ्रॉम स्पेस: हाउ द फ्यूचर शेप आवर पास्ट
सारा पार्क संग संवाद पीटर हेस्लर

नेशनल ज्योग्राफिक एक्स्प्लोरर और टेड पुरस्कृत डॉ सारा पार्क स्पेस आर्कियालोजी की गजब दुनिया में आपका स्वागत करती है|

आर्कियोलोजी फ्रॉम स्पेस में, पार्क इस क्षेत्र की बड़ी खोज और भविष्य की संभावनाओं के बारे में बताती हैं| जासूसी फोटोग्राफी और मिश्र के शहर तानिस के नए नक्शे के साथ वह अपने क्षेत्र की सबसे बड़ी खोजों को साझा करती है, जिससे पता चलता है कि अंतरिक्ष पुरातत्व न केवल रोमांचक है, बल्कि दुनिया के प्राचीन खजाने के संरक्षण के लिए तत्काल आवश्यक है। पीटर हेस्लर के साथ संवाद में वो बताती हैं कि हम अपने अतीत से सबक लेकर, अपने भविष्य को संवार सकते हैं|

128 . मार्टरडम टू फ्रीडम:
नवदीप सूरी और राजेश रामचंद्रन *(TBC)* संग संवाद कविता पुरी?

1919 का जलियांवाला बाग नरसंहार लगभग एक हजार लोगों की निर्दयी हत्या थी - यह भी इतिहास में महत्वपूर्ण घटना थी जिसने शांतिवादियों को क्रांतिकारियों में बदल दिया और भारत के स्वतंत्रता संग्राम के पाठ्यक्रम को बदल दिया। भारत के सबसे पुराने अख़बार, *द ट्रिब्यून* की तरह किसी ने भी नरसंहार की गहराई से जांच नहीं की। इस क्रूर त्रासदी के शताब्दी वर्ष में, *ट्रिब्यून* के संपादक राजेश रामचंद्रन की किताब, *मार्टरडम टू फ्रीडम: 100 ईयर्स ऑफ़ जलियांवाला बाग*, अखबार के अभिलेखागार से चयनित लेखों के साथ आधुनिक भारत के लेखकों, विचारकों और इतिहासकारों के निबंधों को एकसाथ लाती है| लेखक और पूर्व राजनयिक नवदीप सूरी अपनी नई किताब, खूनी वैशाखी पर चर्चा करेंगे| ये वर्ष 1920 में उनके दादा द्वारा लिखी गई लंबी कविता का अनुवाद है।

129. द ट्रेवल सेशन
कैटी हिकमैन, एलिजाबेथ गिल्बर्ट, सुकेतु मेहता, पीटर हेस्लर और होवार्ड जैकबसन संग संवाद विलियम डेलरिम्पल

यात्रा लेखन साहित्य की सबसे प्राचीन विधा है, लेकिन आज के इंटरनेट, भूमंडलीकरण और गूगल मैप्स के ज़माने में इसकी क्या महत्ता रह गई है? यात्रा लेखक कैटी हिकमैन, एलिजाबेथ गिल्बर्ट, सुकेतु मेहता, पीटर हेस्लर और होवार्ड जैकबसन इस सत्र में अपने विचार रखेंगे| सत्र संचालन विलियम डेलरिम्पल करेंगे|

130. बेल्ट, रोड एंड बियोंड
ब्रूनो मार्केस, मनोज जोशी, श्याम सरन और सुजीव शाक्य संग संवाद निरुपमा राव

लगभग 70 देशों में फैली चीन की विशाल बेल्ट और रोड जटिलता का एक बुनियादी ढांचा परियोजना है। श्याम सरन, सुजीव शाक्य, ब्रूनो मार्केस और निरुपमा राव जैसे लेखकों और राजनयिकों के साथ इस सत्र में इस विषय पर गहन चर्चा होगी| पुर्तगाली राजनेता और यूरोपियन मामलों के भूतपूर्व मंत्री ब्रूनो मार्केस की किताब *बेल्ट एंड रोड: ए चाइनीज वर्ल्ड ऑर्डर* में इस नए रूट और भारत और दक्षिण एशिया के संबंधों पर रौशनी डालती है|

131. देयर'स गनपाउडर इन द एयर**:**
मनोरंजन ब्यापारी संग संवाद अनु सिंह चौधरी

70 के दशक की शुरुआत में, बंगाल में नक्सलबाड़ी आंदोलन जोर पकड़ रहा था, अपना घर छोड़कर आजादी की इस लड़ाई में आ जुटे युवा पुरुष और महिलाओं से लेकर दमित किसान तक सबको जेलों में ठूंस दिया गया था| ऐसी ही एक जेल में, पांच नक्सलियों ने जेल तोड़कर भागने की योजना बनाई थी| मनोरंजन ब्यापारी की *देयर'स गनपाउडर इन द एयर* (जिसका अनुवाद अरुनाव सिन्हा ने किया है) में बताया गया है कि किस तरह मानवीय आदर्शों को सिस्टम के तहत दमित किया जाता है| लेखिका अनु सिंह चौधरी से चर्चा करते हुए मनोरंजन ब्यापारी शब्दों

132. आर्टिस्टिक फ्रीडम इन ए गोल्डन ऐज ऑफ़ एंटरटेनमेंट

वाणी त्रिपाठी टिकू, एन क्लीव्स और सृष्टि आर्य संग संवाद अनुपमा चोपड़ा

कहानीकार के लिए कभी इससे बेहतर समय नहीं रहा है| विस्तार की सहजता, श्रोताओं पर पहुँचने की गति और इंटरनेट की ताकत ने मनोरंजन जगत को और सक्षम किया है| विभिन्न विषयों और भूगोलों की कहानियां तेजी से लिखी जा रही हैं, और बिना किसी बाधा के प्रसारित हो रही हैं| आज की इस आभासी दुनिया में कलाकार की आज़ादी से ज्यादा छेड़खानी नहीं की जाती, और इसमें लाल फीताशाही की भी दखलंदाजी नहीं है| ये स्वर्ण युग कहां जा रहा है? सत्र में शामिल एक वक्ता ने ब्रिटेन की दो जानी-मानी टीवी सीरीज के लिए काम किया है| साथ में नेटफ्लिक्स के ओरिजिनल कंटेंट हेड और भारत की प्रमुख फिल्म पत्रकार और समीक्षक भी शामिल होंगी|

133. *वन्नी: ए श्री लंकन स्टोरी*
बेंजामिन डिक्स संग संवाद जॉन इलियट

बेंजामिन डिक्स का *वन्नी*, लिंडसे पोलाक द्वारा चित्रित एक उपन्यास है, जिसमें श्री-लंका के नागरिक युद्ध का मानवीय पहलु दिखाया गया है| इसमें जटिल सामाजिक और मानवाधिकारों के मुद्दों और आधुनिक युद्ध के संबंधित आख्यानों, मजबूर प्रवास और शरणार्थी समस्या के बारे में लिखा गया है। इस दिलचस्प सत्र में, लेखक और पत्रकार जॉन इलियट के साथ संवाद करते हुए बेंजामिन इस गहन मानवीय कहानी को सामने लाने की कोशिश करेंगे|

134. डिक्शनरी ऑफ़ द मिडिल ईस्ट
दिलीप हीरो और नवदीप सूरी संग संवाद

एक सूचनाप्रदान सत्र में, लेखक, टिप्पणीकार और पत्रकार दिलीप हीरो अपने गहन शोध और गहन विश्लेषण से हमारा ध्यान मध्य-पूर्व की ओर लाते हैं| आपकी किताबों में *ए कोम्प्रेंसिव डिक्शनरी ऑफ़ द मिडिल ईस्ट* और *कोल्ड वार इन द इस्लामिक वर्ल्ड: सऊदी अरेबिया, ईरान एंड द स्ट्रगल फॉर सुप्रिमेसी* जैसे शोधपरक अध्ययन शामिल हैं| लेखक और सेवानिवृत राजनयिक नवदीप सूरी के साथ संवाद में आप दुनिया की सबसे जटिल राजनीति पर चर्चा करेंगे|

135. पुअर इकोनॉमिक्स: फाइटिंग ग्लोबल पावर्टी
अभिजीत बनर्जी संग संवाद श्रीनिवासन जैन

अभिजीत बनर्जी, एस्थर डफलो और माइकल क्रेमर वर्ष 2019 के अर्थशास्त्र के नोबेल पुरस्कार के विजेता रहे| आपको ये सम्मान 'वैश्विक गरीबी के प्रति प्रयोगात्मक नजरिये' के लिए दिया गया| अभिजीत बनर्जी अपनी इसी खोज पर बात करने के लिए एक बार फिर से जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल आ रहे हैं| पत्रकार श्रीनिवासन जैन के साथ संवाद में अभिजीत जमीनी स्तर पर किये गए अपने काम के बारे में बताएँगे|

136. बोलना ही है: व्हाट मस्ट बी सेड
रवीश कुमार संग संवाद नीलांजना रॉय

रवीश कुमार एक पुरस्कृत और निर्भीक पत्रकार के साथ-साथ कहानीकार भी हैं| आपको वर्ष 2019 के रेमन मेगसेसे अवार्ड से सम्मानित किया गया| लेखिका और स्तंभकार नीलांजना रॉय के साथ एक जबरदस्त सत्र में रवीश अपनी किताब, मत, कविता और प्रेम कहानियों पर चर्चा करेंगे| वो प्राइम टाइम की अनिवार्यता और पत्रकारिता की जिम्मेदारी भी बताएँगे|

137. द डेमोक्रेसी इंडेक्स

राजदीप सरदेसाई और प्रनॉय रॉय संग संवाद नमिता भंडारे

क्या चीज है जो भारतीय लोकतंत्र को साकार करती है? एक विचारशील सत्र जो चुनावी प्रक्रिया और लोकतांत्रिक प्रणालियों के आख्यानों और काउंटर कथाओं की पड़ताल करता है। अपनी किताब, *द वर्डिक्ट* में सम्मानित चुनाव विश्लेषक प्रनॉय रॉय भारत की चुनाव प्रक्रिया पर गहन दृष्टी डालते हैं| जाने-माने पत्रकार राजदीप सरदेसाई की किताब *2019: हाउ मोदी वोन इंडिया* बीजेपी की चमत्कृत कर देने वाली जीत की जड़ में जाती है| पत्रकार नमिता भंडारे के साथ संवाद में वक्ता लोकतंत्र के विभिन्न पहलुओं पर चर्चा करेंगे|

138 . नेगोशिएटिंग द मेल स्पेस इन कंटेम्परारी फिक्शन

रोशन अली, पेरूमल मुरुगन, मानसी सुब्रमण्यम और हंसदा सोवेन्द्र शेखर संग संवाद

पुरुष नायक की उथल-पुथल, आघात और दुविधाएं सदियों से साहित्यिक इतिहास का विषय रही हैं। यह सत्र इसी का जवाब कथा साहित्य के प्रमुख पुरुषों से मांगेगा| तमिल साहित्यकार पेरुमल मुरुगन के मील के पत्थर *वन पार्ट वूमन* के अंत में, पाठकों को संदेह के घेरे में छोड़ दिया जाता है। इसके सीक्वल, *ट्रायल बाय साइलेंस* में मुरुगन ने पहले की कहानी को चुना और एक उत्कृष्ट और नाटकीय अंत तक पहुंचे| हंसदा सोवेन्द्र शेखर, जो प्रभावशाली कबायली कहानियों के माध्यम से दुनिया के सामने बहुत सी अनसुनी बातों को लेकर आते हैं| अपने नई किताब *माय फादर'स गार्डन* में हंसदा एक युवा डॉक्टर की कहानी कहते हैं, जो प्यार, सेक्सुअलटी और साथी के बीच संतुलन तलाशते हुए, परिवार की उम्मीदों पर खरा उतरने की कोशिश करता है| रोशन अली की जबरदस्त किताब *इब'स एंडलेस सर्च फॉर सेटिस्फेक्शन* में हैरान नायक इब अपने मनोरोगी पिता और दब्बू माँ के साथ जीवन बिताते हुए अपने अस्तित्व का सवाल खोजता है| इस दिलचस्प सत्र का संचालन मानसी सुब्रमण्यम करेंगी|

139. फ्रॉम द लैबीरिंथ: टू वॉइसेस
सारा राय और ऐनी ज़ैदी संग संवाद अनु सिंह चौधरी

एक सत्र जो भाषा और संस्कृतियों में शब्द के आंतरिक जीवन की खोज कर, उनकी विविधता को दर्ज करता है। लेखिका और एडिटर एनी जैदी ने अपने नाटक *अनटाइटल 1* के लिए वर्ष 2018 हिन्दू प्लेराईट अवार्ड जीता था और आपके निबंध 'ब्रेड, सीमेंट, कैक्टस' को वर्ष 2019 का नाइन डॉट्स प्राइज मिला था| लेखिका, अनुवादक और एडिटर सारा राय को हाल ही में अपनी किताब *इम लेब्रिन्थ* के जर्मन अनुवाद के लिए प्रतिष्ठित कोबर्ग रुकर्ट प्राइज से सम्मानित किया गया है| सत्र में लेखिका और अनिवादक अनु सिंह चौधरी से बात करते हुए ये बकता अपनी कहानी बयां करेंगे|

140 कहानियों की रहस्यमयी दुनिया - द मिस्टीरियस वर्ल्ड ऑफ़ स्टोरीज
युवा एकता फाउंडेशन

141 द न्यू वर्ल्ड डिसऑर्डर

144. एन एक्सट्रीम लव फॉर कॉफ़ी
हरीश भट संग संवाद विवेक तेजूजा

कुर्ग के कॉफ़ी बागानों से लेकर जापान के भूत और कब्रिस्तान के रोमांचक सफर पर रहे, हरीश भट की सफल किताबें हैं *टाटा लोग* और *द क्युरियस मार्किटर*| हरीश कॉफ़ी के प्रति अपने प्यार और जादुई यथार्थ की कहानियां बड़े मजे से सुनाते हैं|

145 . वी दैट आर यंग
एंजेलिका अरिबम, वरुण थॉमस मेथ्यु, पल्लवी राघवन और रफिउल अलोम रहमान संग संवाद प्रज्ञा तिवारी

भारत, दुनिया की सबसे प्राचीन संस्कृति होने के साथ ही यहां सबसे अधिक युवा जनसंख्या भी है| उनकी महत्वाकांक्षा, भय, संवेदनशीलता क्या है? अपने देश और धरती का वो क्या भविष्य देखते हैं? जब छात्र अपनी आवाज सुनाने के लिए सड़कों पर उतर आए हैं, ऐसे में ये सत्र वर्तमान समय में भारतीय युवा होने के मायने तलाशेगा|

146. एआई एंड क्रिएटिविटी

मार्कस दू सौतॉय संग संवाद संजोय के.रॉय

जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस हमारे दिलो-दिमाग पर छाती जा रही है, तब मार्कस दू सौतॉय हमारे भविष्य पर सवाल उठाते हैं| अपनी किताब, *द क्रिएटिविटी कोड: हाउ एआई इज लर्निंग टू राईट, पेंट एंड थिंक* में आप अपने काम, रचनात्मकता की प्रकृति इत्यादि के बारे में बताते हैं| इस दिलचस्प सत्र में, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर, दू सौतॉय गणित से अपने जुड़ाव पर भी चर्चा करेंगे| सत्र संचालन जयपुर लिटरेचर फेस्टिवल के प्रोडूसर संजॉय के.रॉय करेंगे|

147. आर्मी एंड सिविल सर्विसेज

अनीत मुखर्जी, मनोज जोशी, निरुपमा राव, वीएस शेखावत और अरविन्द मायाराम संग संवाद विष्णु सोम

भारतीय सेना एक बहुचर्चित और सम्मानित संस्था है जिसने नागरिक संहिता का हमेशा पालन किया है। मजबूत लोकतांत्रिक परंपराओं और गहरे प्रशासनिक नियंत्रण वाले एक पेशेवर सैन्य

कैडर ने नागरिक, सैन्य और राजनीतिक संबंधों के बीच एक स्थापित संतुलन कायम किया है। इसी संतुलन पर बात करने के लिए इस विशेष सत्र का आयोजन किया गया है|

अनीत मुखर्जी नान्यांग टेक्नोलॉजीकल यूनिवर्सिटी में असिस्टंट प्रोफेसर हैं| आप इंडियन आर्मी के भूतपूर्व ऑफिसर रह चुके हैं, और आपकी लिखी किताब है, *द एब्सेंट डायलोग: पोलिटिशियन, ब्यूरोक्राट्स एंड द मिलिट्री इन इंडिया*| मनोज जोशी एक पत्रकार और आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के डिसटिंगुइश्ड फेलो हैं, आपकी किताबें हैं, *लॉस्ट रेबेलियन, कश्मीर इन द नाइनटीज* और *कश्मीर 1947–1965: ए स्टोरी रीटोल्ड*| निरुपमा राव मेनन इंडियन फोरेन सर्विस की रिटायर्ड ऑफिसर हैं, और अमेरिका, चीन व श्रीलंका में भारत की राजदूत रह चुकी हैं| आपकी किताब है, *टेल इट ऑन द माउंटेन: इंडिया एंड चाइना* 1949-1962 |एडमिरल विजय सिंह शेखावत इंडियन नेवी के भूतपूर्व चीफ ऑफ़ नेवल स्टाफ हैं| अरविन्द मरयम भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारत के वित्त सचिव रह चुके हैं| आपको राजस्थान सरकार का आर्थिक सलाहकार भी नियुक्त किया गया था| विष्णु सोम NDTV के डिफेन्स एडिटर और प्रमुख एंकर हैं|

148. सैंडेटि लाइट वेसल ऑटोमैटिक

साइमन आर्मीटेज संग संवाद नंदिनी नायर

साइमन आर्मीटेज, वर्तमान में सिर्फ ब्रिटिश के नेशनल कवि ही नहीं, बल्कि ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी में पोएट्री के प्रोफेसर और प्रिन्सटन यूनिवर्सिटी में विजिटिंग प्रोफेसर हैं| आर्मीटेज को अपनी कविताओं के लिए ढेरों सम्मान मिले हैं, जिनमें सन्डे टाइम्स यंग ऑथर ऑफ़ द इयर अवार्ड, एरिक ग्रेगोरी अवार्ड, प्रमुख लंनन अवार्ड, चोलमोंडेले अवार्ड, स्पोकन वर्ड अवार्ड (गोल्ड), गीत-रचना के लिए आइवर नोवेलो अवार्ड, बेस्ट स्पीच के लिए बीबीसी रेडियो सम्मान, डाक्यूमेंट्री के लिए टेलीविज़न सोसाइटी अवार्ड और कविता के लिए कीट्स-शेली अवार्ड शामिल हैं| आपको पोएट्री में अनुवाद के लिए वर्ष 2017 का PEN अमेरिका अवार्ड और वर्ष 2018 का क्वीन’स गोल्ड मैडल पोएट्री अवार्ड से भी सम्मानित किया गया| दुनिया के सबसे महान समकालीन कवि आर्मीटेज अपने लेखन के विषय में नंदिनी नायर से बात करेंगे|

149. राइटिंग द विलेज: एड्रेसिंग रूरल डिसट्रेस

अनुकृति उपाध्याय, नमिता वाईकर, पेरूमल मुरुगन और टिन्नी साहनी संग संवाद मानसी सुब्रमन्यम

महात्मा गांधी ने कहा था कि भारत गाँवों में बसता है| ग्रामीण भारत का गठन भारतीय समाज का मूल है जो अभी भी सामाजिक और मीडिया चेतना की परिधि में है। एक सत्र जो कृषि क्षेत्र में आई हताशा और संकट की बात करता है| पुरस्कृत तमिल लेखक पेरूमल मुरुगन की किताब, *द स्टोरी ऑफ़ ए गोट*, कृषक समुदाय की कहानी बयां करती है| नमिता वाईकर की किताब, *द लॉन्ग मार्च*, महाराष्ट्र के किसानों की दुर्दशा को दर्ज करती है| अनुकृति उपाध्याय का हालिया

प्रकाशित उपन्यास *भौंरी* और *दौरा* ग्रामीण राजस्थान पर केन्द्रित है| टिन्नी साहनी ने ग्रामीण भारत के विकास में 25 वर्ष बिताएं हैं, और वर्तमान में आप आगा खान फाउंडेशन (इंडिया) की प्रोग्राम डायरेक्टर हैं| ये सभी वक्ता साथ में, ग्रामीण जीवन के बारे में लिखने और अपने अनुभव साझा करेंगे| सत्र संचालन पेंगुइन रैंडम हाउस इंडिया की सीनियर कमीशनिंग एडिटर करेंगी|

150. कश्मीर: ऑफ़ बार्बड वायर्स एंड आलमंड ब्लोसम्स
अिसया ज़हूर, अमिताभ मट्टू और मनोज जोशी संग संवाद

कश्मीर की ख़ूबसूरती से उलट उसके भावनात्मक और राजनीतिक परिदृश्य दिल तोड़ने वाले हैं| एक सत्र जो मानवीय, व्यक्तिगत और राजनीतिक संदर्भ में क्षेत्र को परिभाषित करने वाले विरोधाभासों और ध्रुवीयताओं की खोज करता है। कवयित्री, टीचर और अकादमिक असिया ज़हूर ने एक क्षेत्र की राजनीति, प्रसार और मुस्लिम पहचान पर अनेकों निबंध और कवितायेँ लिखी हैं| पत्रकार और आब्जर्वर रिसर्च फाउंडेशन के डिसटिंगुइश्ड फेलो मनोज जोशी ने सियाचिन, पाकिस्तान, चाइना, श्रीलंका और कश्मीर व पंजाब के आतंकवाद पर बहुत लिखा है| पद्म श्री अमिताभ मट्टू जेएनयू और मेलबोर्न यूनिवर्सिटी में पढ़ाते हैं| आप जम्मू व कश्मीर के मुख्यमंत्री के सलाहकार भी रह चुके हैं| सत्र में वक्ता, कश्मीर के अतीत, वर्तमान और भविष्य पर चर्चा करेंगे|

151. जीव्स एंड द किंग ऑफ़ क्लब्स
बेन स्कॉट संग संवाद शशि थरूर

बर्टी वूस्टर और उनके बेमिसाल सहायक, जीव्स के दुस्साहस ने दर्शकों को लगभग एक सदी तक खुश किया। अब कामयाब लेखक बेन स्कॉट उस नायाब जोड़े की कहानी को फिर से वापस लाए हैं, और पाठकों को उनकी वही पुरानी मस्ती देखने को मिलेगी|

इस कोलाहलपूर्ण एडवेंचर में, जूनियर गेनीमेड क्लब (इंग्लैंड के श्रेष्ठ बटलर और वेले की एसोसिएशन) ब्रिटिश सीक्रेट सर्विस के बारे में कहानियां बताएगा| जीव्स हाई सोसाइटी में छिपे फासीवादी जासूस का पता लगाएगा, जिसमें उसकी मदद उसका मालिक, बर्टी करेगा|

जोशीले स्कॉट वोडहाउस के अधिकारिक किरदारों को और भी नयी उमंग के साथ प्रस्तुत करते हैं| *जीव्स एंड द किंग ऑफ़ क्लब्स* पाठकों को बहुत पसंद आएगी|

152. द फ्रंटलाइन क्लब
क्रिस्टीना लैम्ब, आनंद गोपाल, डेक्सटर फिल्किंस, लिंडसे हिल्सम संग संवाद रजनी वैद्यनाथन

हॉलीवुड युद्ध पत्रकारों को लम्बे समय से भुनाता रहा है, जिसमें वो खूब शराब पीते हैं और पुलित्ज़र पुरस्कार जीतने के लिए अपनी जान खतरे में डालते हैं| इस सत्र में, प्रसिद्ध विदेशी संवाददाता - क्रिस्टीना लैम्ब, आनंद गोपाल, डेक्सटर फिल्किंस और लिंडसे हिल्सम इस ग्लैमरस जॉब के पीछे के वास्तविक खतरों से पर्दा उठाएंगे| सत्र संचालन बीबीसी साउथ एशिया की संवाददाता रजनी वैद्यनाथन करेंगी|

153. एन क्लीव्स: हिडन डेप्थ
एन क्लीव्स संग संवाद बी रोलेट

बहुआयामी और बहु-पुरस्कृत एन क्लीव्स को 'बेस्ट लिविंग एवोकर ऑफ़ लैंड्सकेप' कहा जाता है| अपराध उपन्यासों और भूत की कहानी की कामयाब लेखिका अपने लेखन, सिनेमा के परदे पर अपनी सफलता के विषय में बी रोलेट से संवाद करेंगी|

154. चार्टबस्टर्स: हाउ टू प्ले विद फायर
जेन स्टॉकलासा और रवि सुब्रह्मण्यम संग संवाद मीता कपूर

दो कामयाब लेखक हमें बताएँगे कि कैसे उन्होंने सफलता की सीढ़ियां चढ़ीं| बैंकरों और बैंकिंग के बारे में रवि सुब्रह्मण्यम की पुस्तकें अक्सर ईर्ष्यापूर्ण होती हैं। जॉन स्टॉकलासा ने स्वर्गीय स्टिग लारसन के सीक्रेट प्रोजेक्ट और आर्काइव के टुकड़ों को उठाया, ताकि *द मैन हु प्लेड विद फायर* को पूरा किया जा सके। बेस्टसेलर बनाने के लिए क्या चीज जरूरी होती है? वो क्या होता है जिससे कोई किताब इतने अधिक पाठकों तक पहुँच पाती है? क्या टाइमिंग और लॉयल प्रशंसकों की बड़ी संख्या काम आती है? मीता कपूर के साथ संवाद में, स्टॉकलासा और सुब्रह्मण्यम अपनी किताब और कामयाबी पर चर्चा करेंगे|

155. पोएट्री दरबार
रुथ पेडल, अनीता औयाजेब, एजे थॉमस, एशिया ज़हूर, रितुप्रिया और निरुपमा दत्ता, सत्र संचालन लक्ष्य दत्ता

बहु-भाषी काव्य पाठ की इस श्रृंखला में, बहुत से मूड और मीटर की कविताएं सुनाई जाएँगी| काव्य के इस संसार में कविता के हर रूप का जश्न मनाया जायेगा|

156. सरयू से सागर तक
कमलकांत त्रिपाठी और नन्द भारद्वाज संग संवाद अनु सिंह चौधरी

आधुनिक हिंदी फिक्शन साहित्य के अतीत और उभरते वर्तमान को जोड़ने वाली एक कड़ी है| दो प्रसिद्ध लेखक इस बदलाव पर बात करेंगे| **कमलकांत त्रिपाठी** का हालिया प्रकाशित उपन्यास *सरयू से गंगा* पिछली सदी के इतिहास और संस्कृति की शानदार प्रस्तुति है| लोकप्रिय राजस्थानी लेखक **नंद भारद्वाज** का हाल ही में प्रकाशित हुआ लघु कथा संग्रह *बदलती सरगम* बदलते समाज की विरोधों और विशिष्टता पर आधारित है| हिंदी की जानी-मानी लेखिका **अनु सिंह चौधरी** से बात करते हुए, ये लेखक अपनी कृति से पाठ भी करेंगे|

157. ओजस आर्ट अवार्ड

160. परफोर्मेंस पोएट्री: द वर्ड एंड द वोइस
लेम्न सीसे, साइमन आर्मीटेज, फारेस्ट गांडेर, पॉल मुल्डून और मानल युनूस सत्र परिचय डेमियन बर्र

पांच कवि अपने संकलन से कविता पाठ करेंगे: पॉल मुल्डून अपने *सेडी एंड द सैडिस्ट* से, फारेस्ट गंडर अपने पुलित्ज़र विजेता संकलन *बी विद* से, लेमन सीसे *माय नेम इज व्हाई* से, मनल युनुस अपने पहले काव्य संकलन *रीप* से और साइमन आर्मिटेज *पेपर एयरोप्लेन* से| सत्र परिचय डेमियन बर्र देंगे|

161. पटाखा: फेस टू फेस विद विशाल भारद्वाज
विशाल भारद्वाज और चरण सिंह पथिक संग संवाद रेचल डायर

राजस्थान के एक छोटे से कस्बे में स्थापित एक मज़ेदार उपन्यास हमें दो बहनों और उनके झगड़ों के बारे में एक दिलचस्प कहानी बताता है। चरण सिंह पथिक की कहानी 'दो बहनें' पर आधारित विशाल भारद्वाज की फिल्म *पटाखा* दर्शकों को हंसी के एक अलग ही दौर में ले जाती है| सोएस की प्रोफेसर रेचल डायर इसी विषय पर विशाल भारद्वाज और पथिक से बात करेंगी|

162. द स्काइलाइन ऑफ़ द अर्बन फ्यूचर

अमिताभ कांत, नमिता वाईकर और हरदीप सिंग पुरी*(TBC)* संग संवाद श्रीनिवासन जैन

यूएन डिपार्टमेंट ऑफ़ इकोनॉमिक्स एंड सोशल अफेयर्स ने भविष्यवाणी की है कि दुनिया की शहरी जनसंख्या का भविष्य भारत, चीन और नाइजीरिया पर निर्भर करेगा, जो साथ में 35% की भागीदारी करेंगे| ये भी संकेत है कि सबसे ज्यादा वृद्धि भारत में होगी| क्या हम इसके लिए तैयार हैं? नीति आयोग के सीईओ और *द पथ अहेड: ट्रांसफोर्मिंग आइडियाज फॉर इंडिया एंड ब्रांडिंग इंडिया* के लेखक अमिताभ कांत, राजनेता और भूतपूर्व राजनयिक हरदीप सिंह पुरी और *द लॉन्ग मार्च* की लेखिका नमिता वाईकर के साथ पत्रकार श्रीनिवासन जैन संवाद करेंगे|

163. नो गुड मेन अमोंग द लिविंग: अमेरिका एंड द तालिबान
आनंद गोपाल संग संवाद तरन खान

पत्रकार आनंद गोपाल की जबरदस्त किताब, जो पहले पुलित्जर और फिर राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए फाइनलिस्ट बनी, में आतंक पर अमेरिका के युद्ध में पकड़े गए तीन अफगानों के जीवन की पड़ताल है| आनंद एक तालिबानी कमांडर की कहानी को भी समझने की कोशिश करते हैं, जो एक कमजोर किशोर से यूएस का सबसे समृद्ध योद्धा बना| अपनी किताब, नो गुड मेन अमोंग द लिविंग में आनंद अमेरिका की सबसे लम्बी चलने वाली लड़ाई की परतें खोलते हैं| सत्र संचालन लेखक तरन खान करेंगे|

164. कथासरितसागर: द सी ऑफ़ स्टोरीज
रोहिणी चौधरी और दीपा अग्रवाल संग संवाद रानू भट्टाचार्य, सत्र परिचय नमिता गोखले

कथासरितसागर की लुभावनी कहानियों ने सदियों तक पाठकों को सम्मोहन में रखा है| इसका शीर्षक ही बताता है कि ये कथाओं का सागर है| इसकी मोहक कहानियां और ढाँचे ने संभवत: *अरेबियन नाइट्स* को भी प्रेरित किया|

लेखिका और अकादमिक रानू भट्टाचार्य के साथ संवाद में, *लिसन ओ किंग!: फाइव एंड ट्वेंटी टेल्स ऑफ़ विक्रम एंड द वेताल* की लेखिका दीपा अग्रवाल अतीत की इन कहानियों की जड़ों में जाएँगी| लेखिका रोहिणी चौधरी भी श्रोताओं के साथ अपने विचार साझा करेंगी| सत्र परिचय लेखिका और फेस्टिवल की सह-निदेशक नमिता गोखले करेंगी|

165. माय ग्रैंडमदर'स ट्वीट्स: अव्वैयर'स एन्शियंट विजडम
गीता गोपालकृष्णन संग संवाद सुधा सदानंद

एक सत्र जो अतीत और वर्तमान की निरंतरता को स्थापित कर, दसवीं शताब्दी के तमिल कवि संत का संदर्भ समकालीन पाठकों के लिए प्रस्तुत कर रहा है| गीता गोपालकृष्णन अपनी प्रेरक किताब पर बात करेंगी, और कैसे उन्होंने 109 पन्नों में उस ज्ञान को पीढ़ियों के लिए सहेज दिया है| वेस्टलैंड/ट्रंकबार प्रेस की मैनेजिंग एडिटर सुधा सदानंद सत्र का संचालन करेंगी|

DAY 5

166. नेशनलिज्म, पोपुलिज्म एंड द फेट ऑफ़ द वर्ल्ड
सिमोन श्कामा सत्र परिचय फ्रैंक डिकोटर

हम एक सामाजिक-राजनीतिक प्रतिक्षेप के पूर्वाग्रह पर हैं क्योंकि शासन अधिक राष्ट्रवादी हो जाता है और दुनिया के सभी कोनों में विरोध प्रदर्शन शुरू हो जाते हैं, और लोकतंत्र और संस्थानों की लोकलुभावन समझ करीब से जांच को आमंत्रित करती है। सिमोन श्कामा दुनिया की किस्मत को अतीत की जड़ों में देखते हैं| इस सत्र में इसी राष्ट्रवाद पर चर्चा होगी, जो अचानक से आज पूरी दुनिया पर हावी होता दिख रहा है| सत्र परिचय फ्रैंक डीकोटर करेंगे|

167. क्लाइमेट इमरजेंसी:
शुभांगी स्वरुप, सोनम वांगचुक*(TBI)*, अपूर्व ओजा और दिया मिर्ज़ा*(TBI)* संग संवाद समीर सरन *(TBC)*

हमारे चारों ओर क्लाइमेट इमरजेंसी के उपायों के लिए नागरिकों, कार्यकर्ताओं, वैज्ञानिकों, लेखकों और विचारकों द्वारा स्पष्ट आह्वान किया गया है। लेकिन ऐसा लगता है कि सभी विफल हो गए हैं - विज्ञान, राजनीति, साहित्य - कुछ भी हमारे इकोसिस्टम को इस क्षति से उबार पाने सक्षम नहीं है। क्या अब कला को इसमें दखल देना चाहिए, जहां वैज्ञानिक सिद्धांत और पहचान की राजनीति काम नहीं आ रहे? इस विषय पर चर्चा करेंगे लेखिका, शिक्षाविद और फिल्ममेकर शुभांगी स्वरुप; सुधारक, सोलर एनेर्जी इनोवेटर और शिक्षाविद सोनम वांगचुक; लेखिका, अदाकारा और सामाजिक कार्यकर्ता दिया मिर्ज़ा|

168. फ्रोलिक एंड डीटोर
पॉल मुल्डून संग संवाद रुथ पडेल

पॉल मुल्डून यकीनन आयरलैंड के महान कवि हैं, जिनका जन्म वर्ष 1951 में काउंटी एर्मघ में हुआ था| आपके 12 काव्य संग्रह प्रकाशित हो चुके हैं, जिनमें *मोय सैंड एंड ग्रेवल* भी शामिल है, जिसे वर्ष 2003 में कविता के पुलित्ज़र पुरस्कार से सम्मानित किया गया था| वर्ष 1987 से, आप यूनाइटेड स्टेट्स में रह रहे हैं, जहां आप प्रिंसटन यूनिवर्सिटी में पढ़ाते हैं|

सत्र संचालन रूथ पडेल करेंगी|

169. इंटरसेक्शन: कास्ट, कलर एंड जेंडर
यशिका दत्त, शर्मीला सेन, उर्वशी बुटालिया और विवेज तेजुजा संग संवाद रुचिरा गुप्ता

जाति और वर्ग, रंग और लिंग की गहरी जड़ें सामाजिक न्याय की प्रणाली पर सवाल उठाती है| यशिका दत्त का प्रभावशाली संस्मरण *कमिंग आउट एज दलित* इसी जाति व्यवस्था को संबोधित करता है| शर्मीला सेन की *नॉट क्वाईट नॉट वाइट* एक पुरस्कृत संस्मरण है, जो अमेरिका में गोरेपन और दक्षिण एशियाई पर लिखा गया है| आइकोनिक प्रकाशक और फेमिनिस्ट उर्वशी बुटालिया ज़ुबान का नेतृत्व करती हैं और आपकी किताब है, *द अदर साइड ऑफ़ साइलेंस: वॉइसेस फ्रॉम द पार्टीशन*| विवेक तेजुजा *वर्व मैगजीन* के कल्चरल एडिटर और *सो नाउ यू नो: ग्रोइंग अप गे इन इंडिया* के लेखक हैं| नारीवादी प्रचारक, लेखिका और अकादमिक रुचिरा गुप्ता के साथ संवाद में ये वक्ता अपने अनुभव साझा करेंगे|

170. रेनेंसा वुमन: द लाइफ ऑफ़ मिश्लेंग्लो’स म्यूज़

रामी टारगॉफ़ संग संवाद कविता सिंह

महिलाओं को हम कैसे याद करते और पहचानते हैं? महान आदमियों की जिन्दगी को सामने लाते-लाते, अब लैंगिकता पर सवाल उठने लगे हैं| इस असामान्य और विशिष्ट किताब में, रामी टारगॉफ़ ने अपनी करीबी मित्र और विश्वस्त विटोरिया कॉलोना के जीवन को माइकल एंजेलो के जीवन में बदल दिया और इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि इटली में प्रकाशित होने वाली पहली महिला कवयित्री हैं|

171. द स्वर्व: हाउ द रेनेंसा बिगेन एंड द वर्ल्ड बिकैम मॉडर्न
स्टीफन ग्रीनब्लाट सत्र परिचय टॉम होलेंड

दुनिया के सबसे प्रसिद्ध स्कोलर, स्टीफन ग्रीनब्लाट ने इतिहास के आविष्कारक काम और रोमांच को एक ही पांडुलिपि में दर्ज किया है| इसे हजारों वर्षों से अनदेखा किया गया, और इसने मानव की सोचने की दिशा को बदल दिया|

तकरीबन 600 साल पहले, एक छोटे कद के, मिलनसार, चतुर आदमी -- जिसकी उम्र कोई 37-38 साल रही होगी - ने लाइब्रेरी की शेल्फ से एक पुरानी पांडुलिपि उठाई| उसने रोमांच से उसे देखा और जाना कि उसे इसकी एक प्रति तैयार करनी चाहिए| वो प्राचीन रोमन दर्शन की अंतिम प्रति थी| वो किताब थी लुक्रेतिअस की *ऑन द नेचर ऑफ़ थिंग्स*| ये एक खूबसूरत कविता थी, जिसमें बहुत खतरनाक विचार दर्ज थे: कि ये ब्रह्माण्ड ईश्वर के बिना चलता है, कि

धार्मिक भय मानव जीवन को क्षति पहुंचाते हैं और कि पदार्थ बहुत छोटे कणों की मिश्रण से बना है|

इस किताब और इसके अनुवाद ने बहुत से चिंतकों और कलाकारों को प्रभावित किया|

इस सत्र में ग्रीनब्लाट इस कहानी को बताएँगे| सत्र परिचय टॉम हॉलैंड देंगे|

172. द फाइव: द अनटोल्ड लाइव ऑफ़ द वीमेन किल्ड बाय जैक द रिपर
हेली रुबेनहोल्ड संग संवाद बी रोलेट

पोली, एनी, एलिजाबेथ, कैथरीन और मैरी-जेन एक ही बात के लिए प्रसिद्ध हैं, जबकि वो कभी आपस में मिली नहीं थीं| वो फ्लीट स्ट्रीट, नाइटब्रिज, वूवरहैम्पटन, सीदन और वेल्श की थीं| उनमें से कोई बेले लिखती थी, तो कोई कॉफ़ी हाउस चलाती थीं| कोई प्रिंटिंग प्रेस से थी और कोई मानव-तस्करी से बच निकली थीं|

उनके बीच कॉमन था, उनकी मृत्यु का वर्ष: 1888| उनके कातिल की कभी शिनाख्त नहीं हो पाई, लेकिन प्रेस ने एक किरदार को गढ़ दिया था, जिसे दशकों तक उनकी मौत का जिम्मेदार माना गया|

एक सदी तक, अख़बार हमें बताते रहे कि ‘जैक द रिपर’ वेश्याओं को शिकार बनाता था| हेली रुबेनहोल्ड ने शोध से जाना कि ये न सिर्फ झूठ था, बल्कि इसकी वजह से उन महिलाओं की वास्तविक कहानियां सबके सामने नहीं आ पाई| अब, अपनी किताब *द फाइव* में रुबेनहोल्ड उन महिलाओं की कहानी हमें बताती हैं| वर्ष 2019 में इस किताब को बेली गिफर्ड प्राइज से सम्मानित किया गया| सत्र सञ्चालन लेखक और पत्रकार बी रोलेट करेंगे|

173. आयरन वाल: इजराइल एंड द अरब वर्ल्ड
अवि श्लेम संग संवाद मैक्स रोडेनबेक

इजरायल और अरब देश के साथ इसके विवाद काफी समय से दुनिया को डराते रहे हैं| ये रणनीति और तिकड़म, विरोध और विशुद्ध राष्ट्रवाद की कहानी है, जो हमारे समय के सबसे जटिल और भयावह संघर्ष की साक्षी रही है| इस दिलचस्प सत्र में, ऑक्सफ़ोर्ड यूनिवर्सिटी के प्रोफेसर एमेरिटस अवि श्लेम आयरन-वाल के दर्शन पर अपने विचार साझा करेंगे| सत्र संचालन मैक्स रोडेनबेक करेंगे|

174. द बेरिड: एन आर्कियालोजी ऑफ़ द इजिप्शन रिवोल्यूशन
पीटर हेस्लर संग संवाद मैक्स रोडेनबेक

मिस्र के समृद्ध इतिहास और संस्कृति से प्रभावित हो, पीटर हेस्लर अपनी पत्नी और जुड़वाँ बेटियों के साथ वर्ष 2011 में कायरो रहने चले गए| कायरो को समझने के लिए वो अरबी सीखना चाहते थे|

क्रांति के दौरान, हेस्लर अक्सर अमरना और अबिदोस के खुदाई क्षेत्र पर जाया करते, जहां स्थानीय लोग राजा और दरबारियों के मकबरे के पास रहते हैं| इस जगह को लोग 'अल-मद्फुना' या 'द बेरिड' कहा जाता है| उन्होंने और उनकी पत्नी ने अरबी सीखी, और आसपास के लोगों से दोस्ती की| उन्होंने पीटर के अनुवादक, एक समलैंगिक आदमी से भी दोस्ती की, जो मिस्र के समलैंगिक संस्कृति में ख़ुशी की तलाश की कोशिश कर रहा था|

हर वर्ग के साथ दोस्ती करके, और विस्तृत शोध के माध्यम से हेस्लर ने मिस्र के प्राचीन और समकालीन इतिहास की कड़ियां जोड़ने की कोशिश की| हेस्लर मिस्र में बिताये अपने समय की बात मैक्स रोडेनबेक से करेंगे|

175. नानक नाम जहाज़ है: द शिप ऑफ़ फेथ
नवतेज सरना और सुरजीत पातर संग संवाद निरुपमा दत्त

गुरु नानक की 550वीं जयंती के अवसर पर, एक सत्र उनके जीवन और उनकी विरासत के नाम समर्पित है| गुरु नानक का जन्म एक ऐसे समाज में हुआ था जो रूढ़ीवाद और कर्मकांड में जकड़ी हुई थी| उनकी मान्यता समाज में प्रेम, एकता और भाईचारे को फैलाना थी, फिर वो चाहे हिन्दू हो या मुसलमान| लेखक और राजनयिक नवतेज सरना की किताब *द बुक ऑफ़ नानक* नानक के जीवन की घटनाएं बताती है| पद्म श्री और साहित्य अकादमी पुरस्कार से सम्मानित सुरजीत पातर विख्यात कवि, अकादमिक और अनुवादक हैं| आप पंजाबी में लिखते हैं, और आपकी हालिया किताब है *सोने का बिर्ख़*| ये एक द्वीभाषी पिक्चर बुक है, जो नानक के जीवन, दर्शन और ज्ञान का सन्देश देती है|

सत्र संचालन लेखिका निरुपमा दत्त करेंगी|

176. क्विज
गोविन्द एथिराज द्वारा

लाइफ एंड टाइम्स ऑफ़ मनीष मल्होत्रा: मनीष मल्होत्रा संग संवाद सफीर आनंद (TBI)

कॉटयूरियर, कॉस्ट्यूम स्टाइलिस्ट, उद्यमी और पूर्व मॉडल मनीष मल्होत्रा को बॉलीवुड में उनके काम के लिए जाना जाता है| आप एपिनेम लेबल के संस्थापक हैं।

178. ओबी एजेकवेसिल: एजेंडा ऑफ़ होप
ओबी एजेकवेसिल संग संवाद मनिरा अल्वा

179. डूडल्स ऑन लीडरशिप
आर.गोपालकृष्णन संग संवाद मोहित सत्यानंद

लीडरशिप क्या है? टाटा संस के डायरेक्टर आर.गोपालकृष्णन के साथ एक स्फूर्तिदायक सत्र में आज के कोर्पोरेट जगत में लीडरशिप पर चर्चा होगी| गोपालकृष्णन अपने नेतृत्व के उतार-चढ़ाव के साथ देश और समाज में महत्वपूर्ण भूमिका पर भी चर्चा करेंगे| सत्र सञ्चालन टीमवर्क आर्ट्स के चेयरपर्सन और एंजल इन्वेस्टर मोहित सत्यानंद करेंगे|

180. चौथा स्तम्भ: द फोर्थ एस्टेट
अतुल चौरसिया, ओम थानवी, हितेश शंकर, अनंत विजय संग संवाद अनु सिंह चौधरी

हिंदी न्यूज़ मीडिया के जाने-माने पत्रकार और लेखक हिंदी पाठकों और समय पर चर्चा करेंगे| वर्तमान अनुमान के अनुसार लगभग 1000 हिंदी अख़बारों की रोज 80 मिलियन प्रतियां बिकती हैं| इसी तरह, हिंदी न्यूज़ चैनल और पोर्टल ने भी दर्शकों के बड़े वर्ग पर कब्ज़ा किया हुआ है| अतुल चौरसिया, ओम थानवी, हितेश शंकर और अनंत विजय जैसे दिग्गजों वाले पैनल का संचालन अनु सिंह चौधरी करेंगी| वो समाज पर हिंदी न्यूज पत्रकारिता के प्रभाव की पड़ताल करेंगी|

181. इंडलिट्: मैनी लंगुएज वन लिटरेचर
केआर मीरा, शुभांगी स्वरुप, अरुणी कश्यप संग संवाद अरुनाव सिन्हा

भारतीय साहित्य का भूभाग बहुभाषी और विविध बोलियों वाला है, जिसमें 22 ऑफिसियल भाषाएं और हजारों मातृभाषा और बोलियां हैं| इस बहुभाषी सत्र में मलयालम, असमी और अंग्रेजी के लेखक अपना कार्यानुभव साझा करेंगे|

182. द फोरेवर वॉर: टेन ईयर्स ऑन
डेक्सटर फिल्किंस संग संवाद मैक्स रोडेनबेक

डेक्सटर फिल्किंस की मास्टरपीस, *फॉरएवर वॉर*, अफगानिस्तान और इराक में 2001 के युद्ध और इराक युद्ध के दौरान अफगानिस्तान और इराक में उनके काम का एक अनौपचारिक अवलोकन है। आपने

युद्ध का आँखों देखा हाल बयां करके रिपोर्ताज और प्रदर्शनी के लिए एक नया मानक स्थापित किया। फिल्किंस ने दुनिया के एक अप्रमाणित हिस्से की निराशाजनक नीति को सचाई से बयां किया है|

184. बुक लॉन्च: बीथोवन वेरिएशन
रुथ पडेल संग संवाद रंजीत होस्कोटे

जब संगीत की दुनिया बीथोवन की 250वीं जन्मतिथि मना रही है, तो एक नए क्लासिकल भारतीय राग 'वीतावनम' के जरिये उन्हें सम्मान दिया जा रहा है| पुरस्कृत ब्रिटिश कवि रुथ पडेल अपने नए काव्य संकलन और जीवनी *बीथोवन वेरिएशन* के माध्यम से उस कलाकार के ख़ास लम्हों को दुनिया के सामने ला रही हैं| सत्र संचालन रंजीत होस्कोटे करेंगे|

186. द अनरेवेलिंग
रक्षंदा जलील, हर्ष मंदार, पवन के. वर्मा, मोहुआ मोइत्रा *(TBI),* हितेश शंकर संग संवाद श्रीनिवासन जैन

भारतीय लोकतंत्र की समृद्ध विविधता हर साल नई चुनौतियों का सामना करती है| अव्यवस्था के इस दौर में, ये संस्थान कैसे बदलाव की मांग का सामना करेगा? अगर बदलाव ही नियत है, तो वो समय की ताल से ताल कैसे मिलायेंगे? भिन्न नजरिये से इस वास्तविकता पर चर्चा की जाएगी|

187. हाउ टू बी ए डिक्टेटर: द कल्ट ऑफ़ पर्सनैलिटी इन द ट्वेंटिएथ सेंचुरी
फ्रैंक डिकोटर संग संवाद रजनी वैद्यनाथन

कोई भी तानाशाह सिर्फ डर और हिंसा के बल पर ही शासन नहीं कर सकता| सत्ता को अनियंत्रित रूप से थोड़े समय के लिए तो बस में किया जा सकता है, लेकिन ये ज्यादा समय नहीं टिक पाता| 20वीं सदी में, जहां नई तकनीक नेताओं को अपनी छवि और आवाज़ युवाओं तक पहुंचाने का मौका दे रही है, वहीँ ये बहस भी खड़ी हो गई है कि कहीं चुनावों पर कब्ज़ा करने के लिए आज के नेता इसका गलत इस्तेमाल तो नहीं कर रहे|

हाउ टू बी ए डिक्टेटर में, फ्रैंक डिकोटर निरीक्षण करते हैं कि हिटलर से लेकर स्टालिन, माओ ज़ेडोंग और किम II सुंग तक सब कैसे इस प्रचार माध्यम का इस्तेमाल कर रहे हैं| उनकी तानाशाही ने 21वीं के नेताओं को प्रभावित किया, जिनमें व्लादिमीर पुतिन, शी जिनपिंग और रजब तैयब इरदुगान शामिल हैं|

डिकोटर ने गहन शोध से इस किताब को पूरा किया है| पत्रकार रजनी वैद्यनाथन के साथ संवाद में, आप तानाशाही के बारे में विस्तार से चर्चा करेंगे|

188. ओ कलकत्ता!
बेन जुदाह, देवप्रिया रॉय और कुनाल बासु संग संवाद अरुनाव सिन्हा

खुशियों का शहर, महलों का शहर और किपलिंग की 'डरावनी रातों का शहर' कोलकाता है| वो शहर जो बहुत से लोगों के लिए लजीज व्यंजनों, संस्कृति और इतिहास का नगर है| पत्रकार और लेखक बेन जुदाह ने अपने बगदादी यहूदी वंशावली की जड़ें इसी शहर में पाई| प्रसिद्ध उपन्यासकार कुनाल बासु यहां के हाशिये पर रह रहे जीवन को दर्ज करते हैं| लेखिका देवप्रिया रॉय की *फ्रेंड्स फ्रॉम कॉलेज* अतीत और वर्तमान को जोड़ते हुए, कलकत्ता की पुरानी यादों में ले जाती है| लेखक और अनुवादक अरुनाव सिन्हा से चर्चा में ये वक्ता कोलकाता से अपना रिश्ता साझा करेंगे|

189. बाबर: तिमुरिड प्रिंस एंड मुग़ल एम्परर
स्टीफन डेल संग संवाद मनु एस. पिल्लई

स्टीफन डेल ने ज़ाहिर अल-दिन मुहम्मद बाबर की पहली आलोचनात्मक जीवनी लिखी| बाबर पूर्वआधुनिक इस्लामिक साम्राज्य, तैमुर-मुग़ल साम्राज्य का संस्थापक था| ये जीवनी उसके जीवन का मूल्याँकन और तैमुर-मुग़ल राज्य का बारीकी से किया गया मुआयना है| इस किताब में 1494 में पूर्वी समरकंद से लेकर 1530 में आगरा में हुई उसकी मृत्यु तक की कहानी है|डेल ने बाबर की आत्मकथा और उनके काव्यों का अध्ययन किया है| डेल बाबर की जीवनी की चर्चा इतिहासकार मनु एस.पिल्लई से करेंगे|

190. अल-अन्दलुस: ऑन इस्लामिक स्पेन
ब्रायन ए. कैटलोस संग संवाद विलियम डेलरिम्पल

किंगडम ऑफ़ फेथ में ब्रायन ए. कैटलोस स्पेन के इस्लामिक इतिहास को फिर से लिखते हैं, जिसमें अल-अन्दलुस की संस्कृति को एक दूसरे नजरिये से देखने की कोशिश की गई है| प्राचीन वर्णनों में इस्लामिक स्पेन को उस जगह के रूप में दिखाया, जहां सभ्यताओं की भिड़ंत हुई| कैटलोस मुख्य स्रोत की तलाश करते हुए बताते हैं कि कैसे मुसलमानों, ईसाईयों और यहूदियों ने साथ में एक सभ्य सभ्यता का निर्माण किया| धर्म को अक्सर विवाद की भाषा माना गया, लेकिन शायद ही इसे कभी ज्ञान की भाषा के रूप में देखा गया| विलियम डेलरिम्पल सत्र संचालन करेंगे|

191. लेटर्स टू ए यंग मुस्लिम
उमर गोबाश और रक्षंदा जलील

आज मुस्लिम होने की स्थिति अनिवार्य रूप से अलगाव और हिंसा के सवाल से जुड़ी हुई है, जिससे मुस्लिमों की युवा पीढ़ी विशेष पहचान और नैतिक सामंजस्य का संकट झेल रही है। आतंक के बढ़ते आरोपों ने धार्मिक भावनाओं के हेरफेर के माध्यम से युवा मुसलमानों को कट्टरता के लिए अतिसंवेदनशील बना दिया है। उमर गोबाश की *लेटर्स टू ए यंग मुस्लिम* इसी असहज सच की ओर इशारा करती है| ये पिता और पुत्र के आपसी पत्रों पर आधारित है| *यू डॉन'ट लुक लाइक ए मुस्लिम* की लेखिका रक्षंदा जलील के साथ संवाद में उमर अपने अनुभव श्रोताओं से साझा करेंगे|

192. बिग सिस्टर, लिटिल सिस्टर, रेड सिस्टर: थ्री वीमेन एट द हार्ट ऑफ़ ट्वेंटिएथ-सेंचुरी चाइना
जुंग चैंग संग संवाद फ्रैंक डिकोटर

वो चाइना में सबसे मशहूर बहनें थीं| जब देश सैंकड़ों सालों के युद्ध, क्रांति और बदलाव से गुजर रहा था, तो शंघाई की ये बहनें सत्ता के केंद्र में थीं और इन तीनों ने ही इतिहास पर अपनी अमिट छाप छोड़ी|

रेड सिस्टर, चिंग-लिंग की शादी 'फादर ऑफ़ चाइना', सुन यट-सेन से हुई, और माओ की उपाध्यक्ष बनीं| लिटिल सिस्टर, मे-लींग, मैडम शिआंग काई-शेक बनीं| ये प्री-कम्युनिस्ट नेशनलिस्ट चाइना की फर्स्ट लेडी और राजनीति की प्रमुख हस्ती रहीं| बिग सिस्टर, एई-लींग, शिआंग की अनौपचारिक मुख्य सलाहकार बनीं और खुद को चीन की सबसे रईस महिला बना लिया|

तीनों बहनों ने अपनी ताकत और विशेषाधिकार का भरपूर इस्तेमाल किया और लगातार खुद को खतरे में डाला| राजनैतिक रूप से भिन्न दलों में रहते हुए भी वो भावनात्मक रूप से एक-दूसरे से जुड़ी रहीं और चिंग-लिंग ने खुद को अपनी दोनों बहनों की दुनिया तबाह करने का जिम्मेदार माना|

सत्र में फ्रैंक डिकोटर के साथ संवाद करते हुए जुंग चैंग इन बहनों के प्यार, युद्ध, बहादुरी और धोखे की कहानी बयां करेंगे|

193. पोएट्री: सर्चिंग द सोर्स
अरविन्द कृष्ण मेहरोत्रा, अशोक वाजपेयी और रंजीत होस्कोटे संग संवाद रुथ पडेल

तीन प्रमुख भारतीय कवि काव्य की कल्पना, स्रोतों की तलाश, प्रेरणा और दर्शन पर चर्चा करेंगे| प्रसिद्ध इंग्लिश कवि और अनुवादक अरविन्द कृष्ण मेहरोत्रा अपने काम पर विलियम कार्लोस, बीट पोएता और कबीर के प्रभाव के बारे में बताएंगे| हिंदी के लोकप्रिय कवि और आलोचक अशोक वाजपेयी ने बहुत से सांस्कृतिक संस्थानों का पोषण और स्थापना की है| पुरस्कृत अंग्रेजी कवि, सांस्कृतिक थ्योरिस्ट और क्यूरेटर रंजीत होस्कोटे की हालिया प्रकाशित किताब है

जोनाहव्हेल, और कश्मीरी कवि लाल देद की कविताओं का अनुवाद| पुरस्कृत ब्रिटिश कवि और शोधार्थी रुथ पडेल के साथ संवाद में ये वक्ता काव्य के सिद्धांतों पर चर्चा करेंगे|

194. आल द वर्ल्ड'स स्टेज

मकरंद साठे और अनोश ईरानी संग संवाद संजॉय के. रॉय

एक सत्र जो हमें नाटक के मूल में ले जायेगा और थियेटर के पीछे नाटककार और थियेटर पर्सन की प्रेरणा के बारे में बतायेगा| मराठी नाटक लेखक और उपन्यासकार मकरंद साठे ने *सोशियो-पॉलिटिकल हिस्ट्री ऑफ़ मराठी थियेटर* के तीन खंड लिखे हैं| फेस्टिवल प्रोड्यूसर संजॉय के. रॉय के साथ संवाद में मकरंद मंच से जुड़े अपने अनुभव साझा करेंगे|

195 टेक्सटाइल हेरिटेज: स्टोरीज ऑफ़ चेंज एंड शेयर्ड फ्यूचर्स
इआन किंग, एनिक शेरेम और मनीष मल्होत्रा संग संवाद अर्चना सुराना

दुनिया भर के फैशन और टेक्सटाइल पर एक दिलचस्प सत्र| हर देश और संस्कृति की फैशन को लेकर अपनी शिल्पकारिता, शैली और कृति होती है, जो समय के साथ विकसित होती रहती है| इस सत्र का आयोजन ARCH कॉलेज ऑफ़ डिजाइन, जयपुर की साझेदारी में किया जा रहा है| ARCH कॉलेज ऑफ़ डिजाइन की संस्थापक और डायरेक्टर अर्चना सुराना के साथ संवाद में यूनिवर्सिटी ऑफ़ आर्ट, लंदन के प्रोफेसर इआन किंग, अकादमिक एनिक शेरेम और सेलिब्रेटी डिजाइनर मनीष मल्होत्रा फैशन की अपनी समझ और विरासत पर चर्चा करेंगे|

196. द ग्रेट मायसोर भागवत
बीएन गोस्वामी सत्र परिचय विलियम डेलरिम्पल

दक्कन के सुल्तानों को अपवाद मान लिया जाये, तो भारत के दक्षिणी भाग की चित्रकारी पर बहुत ही कम ध्यान दिया गया है| भारत के महान इतिहासकारों ने भी इस तरफ शायद ही कोई काम किया है|

मैसूर की यह किताब सिर्फ इसलिए ही ख़ास नहीं है कि इसमें भव्य चित्रकारिता का समावेश है, बल्कि इसकी थीम भी जबरदस्त है: इसमें महान और पवित्र, *द भगवत पुराण* को बिलकुल ही भिन्न रूप से प्रस्तुत किया गया है| इसमें कल्पना की छलांग है, और अनाम चित्रकारों ने इसे बखूबी उबारा है| ऐसा प्रतीत होता है, मानो चित्रकार हर कदम पर पाठ की महत्ता को जान रहा

था| इस नायाब चित्रकारी को देखकर किसी की भी आंखें खुली रह जाती हैं| विलियम डेलरिम्पल के साथ संवाद में बीएन गोस्वामी इस पर चर्चा करेंगे|

197. सेशन ऑन न्यूट्रीशन